सप्ताहिक

बदलते अल्फ़ाज़

चंडीगढ़, रविवार 19 जुलाई से 25 जुलाई 2026

खबरों का नया स्वरूप

पेज 8

सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं: कृति सेनन

वर्ष : 05, अंक : 19, मूल्य : 5.00 रुपए पेज: 08 | www.badlteyalfaaj.com | E-mail:badaltealfaaz@gmail.com

For Advertising
Prabhat kumar +918847461287
E-mail:badaltealfaaz@gmail.com
www.badltealfaaj.com
बदलते अलफ़ाज़ समाचार पत्र में सामचार सम्बंधित इस नबंर पर करें सम्पर्क
Office Landline Number
01725098269
www.badltealfaaj.com

हमदाबाद की पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग; आठ लोगों की मौत, 15 गंभीर रूप से घायल

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद धुएं का गुबार कई सौ मीटर ऊपर तक गया, जिसे कुछ किलोमीटर दूर से भी देखा गया। इस फैक्टरी में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। जेपीसी क्राइम ब्रांच के अधिकारी शरद सिंघल ने बताया कि हादसे के समय फैक्टरी में 15 लोग काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्टरी बिना लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन विस्फोट के कारणों की जांच में जुटे हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बिना लाइसेंस के फैक्टरी कैसे संचालित हो रही थी और सुरक्षा मानकों में कहां लापरवाही बरती गई।

सलमान के बाद बिश्नोई गैंग के निशाने पर आमिर!

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकी मिलने की खबर है। हालांकि, मुंबई पुलिस के मुताबिक, न तो एक्टर और न ही उनकी टीम ने अब तक कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट से आमिर खान को धमकी मिलने के बारे में पता चला और वे आगे की कार्रवाई करने से पहले वायरल पोस्ट की सच्चाई की जांच कर रहे हैं। आईएनएस के मुताबिक, आमिर को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए धमकी मिली, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा था। पोस्ट में लिखा था, ''मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) हूं। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहे हैं और आमिर खान जैसे लोग जो 'लव जिहाद' के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

पीएम ने उत्तर भारत की बदली राजनीति

पंजाब में 5470 करोड़ के विकास परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब का एकदिवसीय दौरा केवल 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास तक सीमित नहीं रहा। इस दौरे ने उत्तर भारत की राजनीति में भी कई स्पष्ट संकेत दिए। हरियाणा में विकास और बुनियादी ढांचे की नई तस्वीर पेश करने के बाद चंडीगढ़ में स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर तथा अंत में पंजाब में भाजपा की राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश ने यह संदेश दिया कि पार्टी अब 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारी को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ा रही है।

हरियाणा के बाद प्रधानमंत्री का पड़ाव चंडीगढ़ रहा, जहां उन्होंने 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीजीआईएमईआर में आधुनिक मातृ एवं शिशु केंद्र, तंत्रिका विज्ञान केंद्र और 150 बिस्तरों वाले गहन चिकित्सा ब्लॉक की आधारशिला स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम ने यह भी दिखाया कि केंद्र सरकार केवल राजनीतिक रैलियों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थागत विकास को भी अपनी प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। दिलचस्प यह भी रहा कि इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी की मौजूदगी ने विकास परियोजनाओं को दलगत राजनीति से ऊपर रखने का प्रतीकात्मक संदेश भी दिया।

कांग्रेस पर पीएम मोदी का निशाना

प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि हाल ही में एक विधायक को सरकारी अधिकारियों पर हमले और वसूली के मामले में सात साल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वसूली, अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार कुछ राजनीतिक दलों की पहचान बन चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की सेवा साफ नीयत और ईमानदारी से की जाती है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और पदों को लेकर लगातार संघर्ष चलता रहता है, जबकि राज्य के विकास के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं।

सबसे बड़ा राजनीतिक केंद्र बना पंजाब

पीएम के पूरे दौरे का सबसे बड़ा राजनीतिक केंद्र पंजाब रहा। जालंधर में भाजपा की रैली और 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब कांग्रेस राज्य में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व संघर्ष से जूझ रही है। प्रदेश कांग्रेस के भीतर लगातार बढ़ते मतभेदों ने विपक्ष की राजनीतिक धार को कमजोर किया है, जबकि भाजपा इस खाली होती राजनीतिक जमीन पर अपनी मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश में जुटी दिखाई दी। हम आपको बता दें कि पंजाब में लंबे समय तक सीमित राजनीतिक प्रभाव रखने वाली भाजपा अब अपने बूते चुनाव लड़ने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरने के साथ यह संदेश भी दिया कि भाजपा पंजाब को अब केवल सहयोगी दलों के भरोसे नहीं छोड़ना चाहती। विकास परियोजनाओं, सिख समाज से जुड़ाव और संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन के जरिए भाजपा ने यह संकेत दिया कि वह 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से माहौल बनाने में जुट गई है। कुल मिलाकर देखें तो हरियाणा में विकास का प्रदर्शन, चंडीगढ़ में संस्थागत निवेश और पंजाब में राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन, इन तीनों पड़ावों ने प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे को केवल सरकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं रहने दिया। यह दौरा उत्तर भारत की बदलती राजनीतिक बिसात पर भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति का स्पष्ट संकेत बनकर उभरा, जिसमें विकास और राजनीति दोनों समानांतर रूप से आगे बढ़ते दिखाई दिए।

'वंदे मातरम' का अपमान करने या इसे गाने से रोकने वालों को मिलेगी सजा?

एजेंसी, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय गीत ' वंदे मातरम ' गाने में बाधा पैदा करना या उसका अपमान अब भारी पड़ेगा। 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में केंद्र सरकार एक ऐसा बिल लाने की तैयारी में जिसमें वंदे मातरम का अपमान करने या गाने में बाधा पैदा करने वालों को सजा मिलेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल से पहले ही मंजूरी पा चुका 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक' तब आया है, जब गृह मंत्रालय ने दिशानिर्देश जारी कर उन सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत बजाना या गाना अनिवार्य कर दिया है, जहां राष्ट्रगान 'जन गण मन' बजाया जाता है।

जन्म और मृत्यु के देर से होने वाले रजिस्ट्रेशन को और सख्त बनाने वाला एक बिल और भी है जिसे लोकसभा में पेश किया जाना है।

राष्ट्रीय गीत का अपमान करना दंडनीय अपराध बन जाएगा

बहरहाल, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक लोकसभा और राज्यसभा से पारित होने के बाद राष्ट्रीय गीत का अपमान करना दंडनीय अपराध बन जाएगा। इसे गणतंत्र के अन्य महत्वपूर्ण प्रतीकों मसलन राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के समान दर्जा मिलेगा, जिनका अपमान करने पर आपराधिक कार्रवाई होती है।

किसने क्या कहा...

''इतना अहंकार ठीक नहीं है। उन्हें (सोनम वांगचुक) जबरन उठाने की बजाय, मोदी सरकार को सोनम वांगचुक से बात करनी चाहिए थी। कॉकरोच आंदोलन को कुचलने की बजाय, देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था सुधारो, सोनम वांगचुक के साथ जबरदस्ती मोदी सरकार की हार है।''

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली

''अगर उन्हें लगता है कि सोनम वांगचुक को ले जाने से यह आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो वे गलतफहमी में हैं। हम यहीं रहेंगे और 20 जुलाई को संसद तक मार्च करेंगे।''

अभिजित दीपके, सीजेपी फाउंडर

भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली।

लगातार 20 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार तड़के जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया है। पुलिस के मुताबिक, यह कदम दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश के अनुपालन में उठाया गया है, जिसमें वांगचुक के स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर तुरंत डॉक्टरी सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए गए थे।

28 जून से भूख हड़ताल पर थे वांगचुक

सोनम वांगचुक लद्दाख की विभिन्न मांगों को लेकर बीते 28 जून से कड़े उपवास पर थे। लंबे समय से अन्न का त्याग करने के कारण उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। शुक्रवार को सामने आई एक मेडिकल रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ था कि इस अनशन के दौरान उनका वजन लगभग नौ किलोग्राम तक कम हो गया है और उनका वजन घटकर महज 56.55 किलोग्राम रह गया है। डॉक्टरों ने उनके शरीर में आ रही इस भारी कमजोरी को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की थी, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया।

शनिवार को पुलिस की टीम जंतर मंतर पर पहुंची

शनिवार तड़के जब पुलिस टीम उन्हें चिकित्सा सहायता देने के उद्देश्य से जंतर-मंतर पहुंची, तो वहां मौजूद कुछ प्रदर्शनकारियों ने अदालती आदेश की तामील में रुकावट डालने की कोशिश की। इस वजह से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति बन गई। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने बेहद संयम का परिचय देते हुए पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया और वांगचुक को एम्बुलेंस के जरिए सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया।

'असत्य और हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत': राहुल गांधी ने किया वांगचुक का समर्थन

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से पुलिस द्वारा हटाए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत "असत्य और हिंसा" हैं ।कांग्रेस सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे। कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई की भी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि वांगचुक को वहां से हटाने की घटना देश के लोकतंत्र और संविधान पर एक "कलंक" है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निदेशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है।

डॉक्टरों की टीम रख रही कड़ी निगरानी

इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने जंतर-मंतर पर डटे अन्य आंदोलनकारियों से भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांतिपूर्ण ढंग से धरनास्थल को खाली करने की अपील की है। फिलहाल, अस्पताल में डॉक्टरों की एक विशेष टीम सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और उनका उपचार किया जा रहा है।

स्पताल बोला- किडनी पर खतरा, वांगचुक की पत्नी ने उठाए सवाल

20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद मामला गर्मा गया है। अस्पताल द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, लंबे उपवास के कारण वांगचुक के शरीर में पानी की भारी कमी, पोटेशियम का गिरता स्तर और तेजी से बढ़ते कीटोन पाए गए हैं, जिससे उनकी किडनी खराब होने और अन्य गंभीर मेटाबॉलिक दिक्कतें होने का खतरा मंडरा रहा है। डॉक्टरों ने इलाज शुरू करने की सख्त सलाह दी है, लेकिन वांगचुक ने किसी भी तरह की ड्रिप या दवा लेने से साफ इनकार कर दिया है। सफदरजंग अस्पताल के बुलेटिन के अनुसार, 59 वर्षीय सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह 7:40 बजे अस्पताल लाया गया था। भर्ती के समय वे होश में थे और उनका ब्लड प्रेशर व ऑक्सीजन का स्तर सामान्य था, लेकिन उनके शरीर में पानी की गंभीर कमी देखी गई। दोपहर 1 बजे तक उनके यूरिन में कीटोन का स्तर 1+ से बढ़कर 3+ तक पहुंच गया, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। अस्पताल प्रशासन उनके परिजनों को लगातार समझा रहा है ताकि जल्द से जल्द इलाज शुरू किया जा सके।

नागरिकता तय नहीं कर सकता चुनाव आयोग: सीजेआई सूर्यकांत

एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मौखिक तौर पर यह बात दोहराई है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में मतदाता सूची से नाम कटने भर से किसी की नागरिकता अपने आप खत्म नहीं हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वह बिहार एसआईआर पर अपने फैसले में ही यह बात स्पष्ट कर चुका है।

सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना ने प्रसेनजीत बोस नाम के याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। लाइवलॉ के अनुसार वे कई याचिकाओं के माध्यम से एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से बाहर हुए लोगों के लिए कई तरह की राहत चाहते हैं।

नागरिकता तय नहीं कर सकता ईसी

इसपर याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि एसआईआर के बाद सरकार मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों को अन्य लाभों से वंचित करना शुरू कर देगी। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारा जजमेंट स्पष्ट है, आर्टिकल 9, 10, 11 और 12 के संबंध में चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है..चुनाव आयोग का नियंत्रण वोटर लिस्ट पर है। वह किसी को नहीं शामिल करने का फैसला ले सकता है। लेकिन, इससे नागरिकता का दर्जा अपने आप खत्म नहीं हो जाता।

एससी ने दिया बिहार SIR जजमेंट का हवाला

इन दलीलों पर जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि बिहार एसआईआर जजमेंट में ही अदालत ने कहा है कि नागरिकता तय करने के लिए चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम इससे वाकिफ हैं। बिहार एसआईआर जजमेंट में हमने साफ किया था कि जैसे ही (चुनाव आयोग का) कोई फैसला हो, चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि नागरिकता कानून के तहत फैसला लेने के लिए उसे इसे मंत्रालय को भेजना होगा। जबतक यह नहीं होता, यथास्थिति बनी रहे।'

गुप्त नवरात्र...

उज्जैन के शक्तिपीठ मां हरसिद्धि के दरबार में होगी गुप्त साधना

पंचांग की गणना के अनुसार बुध पुष्य नक्षत्र की साक्षी में आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्र का आरंभ हो गया है। तंत्र की उर्वरा भूमि कही जाने वाली धर्मधानी उज्जैन में नौ दिन साधक तंत्र, मंत्र व यंत्र की सिद्धि के लिए गुप्त साधना करेंगे। शक्तिपीठ हरसिद्धि, गढ़कालिका, बगलामुखी धाम में नौ दिन देवी का अभिषेक, पूजन तथा विशेष श्रृंगार किया जाएगा। देश में सुख समृद्धि तथा मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए गुप्त साधना भी होगी। नवरात्र के नौ दिन में वैदिक तंत्र, मंत्र तथा यंत्र की सिद्धि के लिए इस दिन से आदि शक्ति मां दुर्गा की साधना, आराधना शुरु करना सर्वश्रेष्ठ रहेगा। 23 जुलाई को महानवमी पर महापर्व की पूर्णाहुति होगी।

दो सर्वार्थ सिद्धि योग और तीन रवि योग
गुप्त नवरात्र में दो सर्वार्थ सिद्धि योग और तीन रवि योग का संयोग रहेगा। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार इन योगों में विशेष कार्य संपादित किए जाते हैं। इस प्रकार के योग में बैंकिंग, टेक्नोलाजी आदि से जुड़े कार्यों की शुरुआत भी की जा सकती है। विशिष्ट साधना के लिए योगों का बड़ा महत्व बताया जाता है।

नौ दिन नित्य सवा लाख आहुति दी जाएगी
बड़नगर रोड दंडी स्वामी आश्रम के सामने स्थित मां पीतांबरा पीठ बगलामुखी मंदिर में बुधवार सुबह पुष्य नक्षत्र की साक्षी में घट स्थापना की जाएगी। आश्रम पीठाधीश्वर पीतांबर साधक संत विजयानंदपुरी महाराज ने बताया गुप्त नवरात्र में नौ दिन देश, प्रदेश व शहर की सुख समृद्धि के लिए श्री बगलामुखी महायज्ञ का आयोजन होगा। मां पीतांबरा की प्रसन्नता के लिए प्रतिदिन सवा लाख आहुति दी जाएगी। भक्त भी मनोवांछित फल की प्राप्त के लिए यज्ञ में शामिल हो सकते हैं।

गढ़कालिका की कुमकुम अर्चना होगी
शहर के प्राचीन देवी मंदिरों में शुमार व धर्मशास्त्रों में सिद्ध व शक्तिपीठ माने जाने वाले गढ़कालिका माता मंदिर में गुप्त नवरात्र के दौरान माता गढ़कालिका की विशेष आराधना होगी। महंत करिश्मानाथ ने बताया नौ दिन देवी का अभिषेक पूजन कर नितनया श्रृंगार किया जाएगा। मान्यता है माता गढ़कालिका कुमकुम अर्चना से प्रसन्न होती हैं, इसी मान्यता के चलते भक्त देवी आराधना करने मंदिर पहुंचेंगे। बता दें श्री गढ़कालिका माता मंदिर में कुमकुम पूजा के लिए 250 रुपये की शासकीय रसीद कटवाना अनिवार्य है। मंदिर परिसर स्थित प्रबंध समिति के कार्यालय में रसीद कटवाने की सुविधा उपलब्ध है।

आंखों में पट्टी बांधकर होती है भगवान जगन्नाथ की स्थापना

मूर्ति के लिए लकड़ी चुनने के नियम भी खास

ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर भारत के सबसे पवित्र तीर्थों में से एक है। हर साल निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। वर्ष 2026 में रथ यात्रा 16 जुलाई से आरंभ हो गई है। । भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ यात्रा को देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। जगन्नाथ मंदिर सिर्फ अपनी आस्था के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं और रहस्यमयी मान्यताओं के कारण भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। हालांकि, इनमें से कई बातें धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है।

मूर्ति के भीतर 'ब्रह्म पदार्थ' की मान्यता

जगन्नाथ मंदिर में जब नवकलेवर (मूर्तियों का परिवर्तन) होता है, तब पुरानी मूर्तियों से एक अत्यंत गोपनीय 'ब्रह्म पदार्थ' नई मूर्तियों में स्थापित किया जाता है। मंदिर की परंपरा के अनुसार, यही भगवान का दिव्य तत्व माना जाता है। कई श्रद्धालु इसे भगवान श्रीकृष्ण के हृदय से जोड़कर देखते हैं। हालांकि, मंदिर प्रशासन और सेवायत इसकी वास्तविक प्रकृति सार्वजनिक नहीं करते।

आंखों पर पट्टी बांधकर होती है ब्रह्म पदार्थ की स्थापना

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ब्रह्म पदार्थ को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय होती है। कहा जाता है कि इस दौरान पुजारियों की आंखों पर पट्टी बांधी जाती है और वे दस्ताने पहनकर यह प्रक्रिया पूरी करते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है।

अधूरी क्यों हैं भगवान जगन्नाथ की मूर्तियां?

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों से अलग दिखाई देती हैं। इनमें पूर्ण हाथ-पैर नहीं बने हैं। लोक कथाओं के अनुसार, देव शिल्पी विश्वकर्मा बंद कमरे में मूर्तियां बना रहे थे। लेकिन तय समय से पहले दरवाजा खोल दिए जाने पर उन्होंने मूर्तियां अधूरी छोड़ दीं। इसके बाद इन्हीं मूर्तियों की पूजा शुरू हो गई।

विशेष नीम के पेड़ से बनती हैं मूर्तियां

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की नई मूर्तियां सामान्य लकड़ी से नहीं, बल्कि विशेष नीम के पेड़ों (दारु) से बनाई जाती हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार, इन पेड़ों को चुनने के लिए कई विशेष नियम निर्धारित हैं।

नीम के पेड़ चुनने के नियम

मूर्तियों के लिए चुने जाने वाले पेड़ में कई विशेषताएं होना जरूरी माना जाता है। मान्यता के अनुसार-

- पेड़ में चार मुख्य शाखाएं हों।
- पास में श्मशान हो।
- चींटियों की बांबी मौजूद हो।
- आसपास जलाशय या तालाब हो।
- जड़ के पास सांप का बिल हो।
- आसपास बेल, वरुण और सहादा के पेड़ हों।
- इन सभी मानदंडों पर खरा उतरने वाले पेड़ को ही मूर्ति निर्माण के लिए चुना जाता है।

हर साल नहीं बदलती हैं मूर्तियां

जगन्नाथ मंदिर की मूर्तियां हर वर्ष नहीं बदली जातीं। इनका परिवर्तन केवल नवकलेवर के दौरान होता है, जब हिंदू पंचांग में आषाढ़ मास के साथ अधिकमास (मलमास) पड़ता है। यह संयोग लगभग 8 से 19 वर्षों के अंतराल पर आता है।

नमी के बावजूद वर्षों तक सुरक्षित रहती हैं मूर्तियां

पुरी समुद्र तट के पास स्थित है, जहां वातावरण में नमी अधिक रहती है। इसके बावजूद मंदिर की लकड़ी की मूर्तियां वर्षों तक सुरक्षित रहती हैं। श्रद्धालु इसे भगवान की कृपा मानते हैं, जबकि विशेषज्ञ इसे विशेष नीम की लकड़ी और पारंपरिक संरक्षण विधियों से जोड़कर देखते हैं।

छेरा पहरा की अनोखी परंपरा

रथ यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण रस्मों में से एक छेरा पहरा है। इस परंपरा के तहत पुरी के गजपति महाराज स्वयं सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं और उन पर सुगंधित जल व चंदन का छिड़काव करते हैं। यह परंपरा इस बात का प्रतीक मानी जाती है कि भगवान जगन्नाथ के सामने राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं तथा हर कोई स्वयं को भगवान का सेवक मानता है।

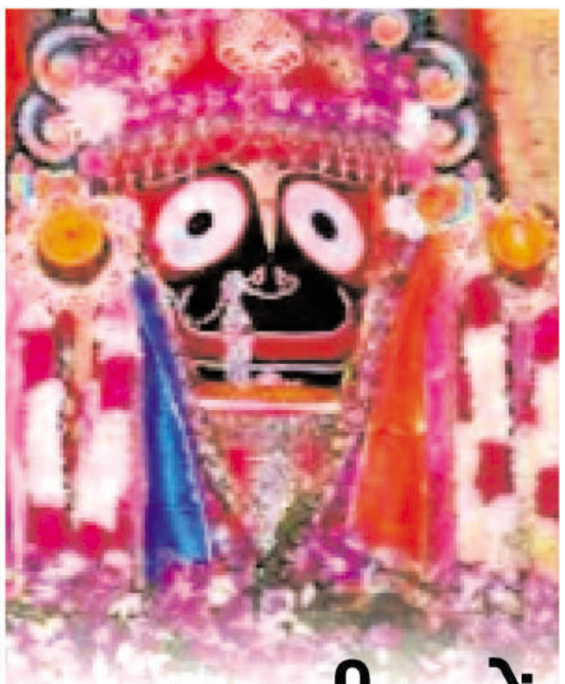

घर पर ही करें जगन्नाथजी की पूजा, विधि और मंत्र

आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आरंभ हो जाता है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ के साथ उनकी बहन सुभद्रा और उनके बड़े भाई बलराम भी रथ पर सवार होकर पुरी धाम से निकलकर अपनी मौसा के घर गुंडीचा मंदिर जाते हैं। यहां कुछ दिन ठहरने के बाद वापस अपने स्थान लौटते हैं। आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आरंभ हो गई है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होते हैं और रथ को खिंचते हैं तो उन्हें 100 यज्ञ के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। अगर आप रथ यात्रा में शामिल नहीं हो पा रहे हैं तो आप घर पर ही भगवान जगन्नाथ के मंत्रों का जप कर सकते हैं। जानें भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए मंत्र और स्रोत।

जगन्नाथ भगवान की पूजा घर पर कैसे करें

- सबसे पहले पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और गंगाजल से उसे शुद्ध कर दें। इसके बाद भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा स्थापित करें।
- इसके बाद घी का दीपक जलाएं और धूर प्रजव्वलित करें।
- अब भगवान को चंदन रोली, अक्षत, पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें।
- इसके बाद भगवान जगन्नाथ के मंत्र और स्तोत्र का जप करें।
- इसके बाद भगवान को मालपुआ, फल और बिना प्याज लहसून से बने चीजों का भोग लगाएं।
- अंत में भगवान जगन्नाथ की आरती करें।

जगन्नाथ गायत्री मंत्र

ओम जगन्नाथाय विद्महे। महाबलाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात॥

भगवान जगन्नाथ का मूल मंत्र

ओम श्री जगन्नाथाय नमः॥

जगन्नाथ स्तोत्र

तस्मात्तेनैव मन्त्रेण भक्त्या कृष्णं जगद्गुरुम।
सम्पूज्य गन्धपूष्पाद्यै: प्रणिपत्य प्रसादयेत् ॥
जय कृष्ण जगन्नाथ जय सर्वाघनाशन।
जय चाणूरकेशिघ्न जय कंसनिषूदन ॥
जय पद्मपलाशाक्ष जय चक्रगदाधर।
जय नीलाम्बुदश्याम जय सर्वसुखप्रद ॥
जय देव जगत्पूज्य जय संसारनाशन।
जय लोकपते नाथ जय वाञ्छाफलप्रद ॥
संसारसागरे घोरे निःसारे दुःखफेनिले।
अहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरषोत्तम ॥
नानारोगोर्मिऽकलिले मोहावर्तसुदुस्तरे।
निमग्नोऽहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरुषोत्तम ॥

जगन्नाथ रथ यात्रा : दुनिया के सबसे बड़े रथ उत्सव से जुड़ी परंपराएं और मान्यताएं

ओडिशा के पुरी में आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा दुनिया के सबसे बड़े रथ उत्सवों में गिनी जाती है। हर साल लाखों श्रद्धालु इस भव्य आयोजन के लिए पुरी पहुंचते हैं। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा विशाल रथों पर सवार होकर श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक जाते हैं। इस यात्रा से जुड़ी कई ऐसी परंपराएं और मान्यताएं हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

साल में सिर्फ एक बार मंदिर से बाहर आते हैं भगवान

रथ यात्रा ही वह अवसर होता है जब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। इसी दौरान लाखों श्रद्धालु बेहद करीब से भगवान के दर्शन कर पाते हैं।

हर साल नए रथ बनाए जाते हैं

पुरी की रथ यात्रा की सबसे खास बात यह है कि तीनों रथ हर साल नए बनाए जाते हैं। इनका निर्माण विशेष प्रकार की लकड़ी और सदियों पुरानी पारंपरिक तकनीकों से किया जाता है।

रथ बनाने में नहीं होती लोहे की कीलों का इस्तेमाल
रथों के कई हिस्से पारंपरिक लकड़ी की जोड़ाई तकनीक से तैयार किए जाते हैं। इसके निर्माण में आधुनिक तकनीकों के बजाय पारंपरिक शिल्पकला को प्राथमिकता दी जाती है।

भगवान जाते हैं गुंडिचा मंदिर

रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुंडिचा मंदिर पहुंचते हैं। मान्यता है कि यह भगवान की मौसी का घर है। तीनों देवता यहां नौ दिन तक विश्राम करते हैं और फिर वापस श्रीमंदिर लौटते हैं।

सुना बेशा की खास परंपरा

वापसी के बाद भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन को सुना बेशा में सोने के आभूषणों से सजाया जाता है। यह परंपरा भगवान की दिव्यता और जगत के स्वामी के रूप में उनकी महिमा का प्रतीक मानी जाती है।

पुरी के गजपति महाराजा लगाते हैं रथों में झाड़ू

रथ यात्रा के दौरान छेरा पहंरा नामक परंपरा निभाई जाती है। इसमें पुरी के गजपति महाराजा सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। यह संदेश देती है कि भगवान के सामने सभी समान हैं, चाहे राजा हो या आम व्यक्ति।

तीनों रथों की होती है अलग पहचान

भगवान जगन्नाथ के रथ का नाम नंदीघोष, बलभद्र के रथ का नाम तलध्वज और सुभद्रा के रथ का नाम दर्पदलन है। तीनों रथों का रंग, आकार और पहियों की संख्या भी अलग-अलग होती है।

लक्ष्मी जी रोकती हैं भगवान का रास्ता

रथ यात्रा से लौटते समय हेरा पंचमी की परंपरा निभाई जाती है। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ जब बिना देवी लक्ष्मी को साथ लिए गुंडिचा मंदिर चले जाते हैं, तो वापसी पर देवी लक्ष्मी प्रतीकात्मक रूप से नाराज होकर उनका रास्ता रोकती हैं। यह रस्म रथ यात्रा का बेहद आकर्षक हिस्सा मानी जाती है।

स्नान यात्रा के बाद 15 दिन तक नहीं होते दर्शन

रथ यात्रा से प्रहले होने वाली स्नान यात्रा में भगवान का विशेष अभिषेक किया जाता है। इसके बाद मान्यता है कि भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं। इस वजह से लगभग 15 दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इस अवधि को अनसारा कहा जाता है।

साप्ताहिक

बदलते अल्फ़ाज़

ट्राईसिटी
चंडीगढ़/पंचकूला/मोहाली

चंडीगढ़, रविवार 19 जुलाई से 25 जुलाई 2026

खबरों का नया स्वरूप

www.badlteyalfaaj.com

E-mail:badaltealfaaz@gmail.com

मोदी ने चंडीगढ़ में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क बुनियादी ढांचे से जुड़ी 4,700 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

चंडीगढ़ आज स्वास्थ्य, शिक्षा का गवाह बन रहा है; लोगों को लाभान्वित करने वाली परियोजनाओं को शुरू करके बेहद खुशी हो रही है: प्रधानमंत्री

एस. के. चौधरी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज चंडीगढ़ में 4,700 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इन परियोजनाओं में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सड़क बुनियादी ढांचा शामिल हैं। व्यवस्थित राष्ट्रीय प्रगति के लिए शहर की अनूठी स्थिति को एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में रेखांकित करते हुए, उन्होंने बेहतर जीवनशैली और जीवन जीने की सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) सुनिश्चित करने के लिए इसकी प्रतिष्ठा पर जोर दिया।

क्षेत्र पर मां चंडी की दिव्य कृपा को स्वीकार करते हुए, उन्होंने इसके निरंतर और संरचित विकास के लिए वर्तमान प्रशासन की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। मोदी ने जोर देकर कहा, "चंडीगढ़ का विकास हमेशा से वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहा है।" करीब डेढ़ साल पहले देश की न्याय प्रणाली में किए गए ऐतिहासिक और व्यापक बदलाव को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने दंडात्मक औपनिवेशिक कानूनों से न्याय-उन्मुख ढांचे में परिवर्तन पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कहा, "भारतीय न्याय संहिता का कार्यान्वयन खुद चंडीगढ़ से ही शुरू हुआ था।"

शहरी परिदृश्य को आधुनिक बनाने के लिए किए गए वित्तीय निवेशों का विवरण देते हुए प्रधानमंत्री ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट और डिजिटल गवर्नेंस जैसी परिवर्तनकारी पहलों को सूचीबद्ध किया। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन पर चंडीगढ़ के निवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने इन भविष्यवादी अपग्रेड्स को गति देने वाले बड़े पूंजी निवेश पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कहा, "शहर को हाई-टेक बनाने के इस मिशन पर ढाई हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं।"

क्षेत्रीय प्रगति के लिए समर्पित अपने व्यापक दैनिक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने हरियाणा के जींद में अपने पिछले जुड़ाव और पंजाब के जालंधर के अपने आगामी दौरे का जिक्र किया। उन्होंने अपने वर्तमान पड़ाव (चंडीगढ़) को पड़ोसी राज्यों को निर्बाध रूप से जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण भौगोलिक और प्रशासनिक पुल के रूप में प्रस्तुत किया। मोदी ने टिप्पणी की, "हमारा चंडीगढ़ प्रभावी रूप से हरियाणा और पंजाब दोनों को जोड़ता है।"

स्थानीय शहरी विकास के व्यापक क्षेत्रीय प्रभाव पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने समझाया कि शहर में सुधारों से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के पड़ोसी क्षेत्रों की आबादी के जीवन स्तर में भी सुधार होता है। उन्होंने विशेष रूप से क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवा वितरण में शहर की अनिवार्य और केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कहा, "चिकित्सा सेवाओं के लिए, चंडीगढ़ इस पूरे क्षेत्र में एक मेगा हब है।"

स्थानीय चिकित्सा संस्थान में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े विस्तार की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री ने न्यूरोसाइंस सेंटर, मदर एंड चाइल्ड सेंटर और एक क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक सहित महत्वपूर्ण नए संयोजन पेश किए। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया, "ये परियोजनाएं लाखों लोगों को और बेहतर उपचार सुविधाएं प्रदान करेंगी।"

2015 में संस्थान के दीक्षांत समारोह में अपनी पिछली यात्रा को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में हासिल की गई असाधारण क्षमता निर्माण की सराहना की। उन्होंने इस प्रगति को निरंतर गति देने वाले प्रशासनिक दल, शैक्षणिक कर्मचारियों और चिकित्सा पेशेवरों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने कहा, "मैं संस्थान की क्षमताओं का विस्तार करने के लिए यहां के प्रोफेसरों और युवा डॉक्टरों की दिल से सराहना करता हूं।"

मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य और सख्त स्वच्छता मानकों के बीच सीधा संबंध जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत को याद किया। उन्होंने करोड़ों शौचालयों के निर्माण से लेकर खुले में शौच मुक्त होने तक लागू किए

गए बड़े संरचनात्मक बदलावों का विवरण दिया, साथ ही स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए शहर के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने कहा, "विभिन्न पहल इसलिए शुरू की गईं ताकि स्वच्छता दृढ़ता से हमारी दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बन जाए।"

नागरिकों के असाधारण समर्पण के लिए एक स्थानीय सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने जमीनी स्तर पर स्वच्छता आंदोलन शुरू करने के लिए 'ब्रूम वॉरियर' (झाड़ू योद्धा) के रूप में व्यापक रूप से जाने जाने वाले इंद्रजीत सिंह सिद्धू जी की प्रशंसा की। उन्होंने गर्व से स्वीकार किया कि सरकार ने इन प्रेरक सामुदायिक प्रयासों को एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ औपचारिक रूप से मान्यता देने का निर्णय लिया। मोदी ने कहा, "एक नई जागरूकता जगाने के लिए, हमारी सरकार ने इस साल उन्हें पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया।"

?सार्वजनिक स्वच्छता को एक बार के आयोजन के बजाय जीवन जीने का एक निरंतर तरीका बताते हुए प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज के कार्यक्रम में एक विशेष 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान को एकीकृत किया गया। उन्होंने इस पहल को अपनाने के लिए स्थानीय नागरिकों की सराहना की और बीमारी की रोकथाम में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। मोदी ने कहा, "स्वच्छता अभियान देश भर में अनगिनत बीमारियों को रोकने में अविश्वसनीय रूप से मददगार साबित हुए हैं।"

देश की स्वास्थ्य सेवा क्षमता के संबंध में पिछली वैश्विक चिंताओं को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने संकट के समय के ऐतिहासिक संदेह के विपरीत कोरोना महामारी के दौरान देश के सक्रिय नेतृत्व को सामने रखा। उन्होंने गर्व से नोट किया कि सहायता मांगने के बजाय देश ने दूसरों की मदद की और अब जटिल चिकित्सा उपचारों के लिए एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य में बदल गया है। श्री मोदी ने दृढ़ता से कहा, "हमारी सरकार ने भारत की क्षमता को पूरी तरह से बदल दिया और दुनिया के दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदल दिया।"

इस बड़े बदलाव का श्रेय बारह वर्षों के समर्पित नीतिगत कार्यान्वयन को देते हुए प्रधानमंत्री ने चिकित्सा अभाव को समाप्त करने और सभी नागरिकों के लिए सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करने के मूलभूत संकल्प को याद किया। श्री मोदी ने कहा, "पिछले बारह वर्षों में देश की सफलता इसी संकल्प का सीधा परिणाम है।"

?देश भर में चिकित्सा बुनियादी ढांचे के आक्रामक विस्तार को सूचीबद्ध करते हुए प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद 15 नए एम्स (अक्क्ष्टर) की मंजूरी, सैकड़ों मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और विशेषज्ञ अस्पतालों के तेजी से प्रसार पर प्रकाश डाला। उन्होंने गर्व से 2022 में चंडीगढ़ में होमी भाभा कैंसर अस्पताल के अपने उद्घाटन का उल्लेख किया, जो अब हजारों मरीजों की सेवा कर रहा है। श्री मोदी ने कहा, "हाल के वर्षों में, भारत ने अपने स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे का तेजी से और बड़े पैमाने पर विस्तार किया है।"

जमीनी स्तर पर चिकित्सा पहुंच पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रधानमंत्री ने क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स और पब्लिक हेल्थ लैब्स के माध्यम से प्राथमिक देखभाल को मजबूत करने में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन की भूमिका का विवरण दिया। उन्होंने खुलासा किया कि लगभग 1.75 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर वर्तमान में शहरी, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्क्रीनिंग और व्यापक स्वास्थ्य पैकेज प्रदान कर रहे हैं। मोदी ने कहा, "हर एक गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के तेजी से विकास पर गहराई से ध्यान दिया जा रहा है।"

सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल तकनीक के क्रांतिकारी एकीकरण पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए ई-संजीवनी (ी-रंल्ल्रीी५ंल्र) मिशन की सराहना की। उन्होंने साझा किया कि दूरदराज की आबादी अब कठिन शारीरिक यात्राएं किए बिना शीर्ष स्तर के विशेषज्ञों से आसानी से जुड़ सकती है। श्री मोदी ने बताया, "आज देश भर में 48 करोड़ से अधिक टेलीमेडिसिन परामर्श सफलतापूर्वक हो चुके हैं।"

?इन व्यापक चिकित्सा सुधारों के जीवन रक्षक प्रभाव को बताते हुए प्रधानमंत्री ने खुलासा किया कि 90 प्रतिशत से अधिक प्रसव अब अत्यधिक सुरक्षित संस्थागत परिवेश (अस्पतालों) में होते हैं। उन्होंने मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ-साथ देश भर में शिशु मृत्यु दर में भारी कमी को दर्शाने वाले आंकड़े साझा किए। श्री मोदी ने कहा, "स्वास्थ्य सेवाओं के इस व्यापक विस्तार के कारण शिशु मृत्यु दर में भी भारी गिरावट आई है।"

?उपचारात्मक प्रगति के साथ-साथ कल्याणकारी रणनीतियों को संतुलित करते हुए प्रधानमंत्री ने निवारक स्वास्थ्य सेवा (प्रिवेंटिव हेल्थकेयर) पर सरकार के दोहरे ध्यान पर जोर दिया। उन्होंने पोषण अभियान, मिशन इंद्रधनुष, योग को बढ़ावा, एचपीवी टीकाकरण अभियान और यू-विन (व-हक्छ) प्लेटफॉर्म जैसी समग्र पहलों को बड़ी आबादी को संभावित स्वास्थ्य संकटों से सुरक्षित रखने का श्रेय दिया। श्री मोदी ने टिप्पणी की, "ऐसे कई महत्वपूर्ण प्रयासों के कारण करोड़ों लोगों का जीवन लगातार सुरक्षित हो रहा है।"

तपेदिक (टीबी) के खिलाफ आक्रामक राष्ट्रीय अभियान को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने समय पर स्क्रीनिंग और उपचार पर 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के ध्यान का विवरण दिया। डब्ल्यूएचओ (हल्ड) की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने पिछले दशक में संक्रमणों में 21 प्रतिशत की कमी और 90 प्रतिशत से अधिक की मजबूत उपचार कवरेज दर का जश्न मनाया। श्री मोदी ने कहा, "सक्रिय जनभागीदारी के माध्यम से हर एक व्यक्ति को अत्यधिक जागरूक बनाया जा रहा है।" इस स्वास्थ्य सेवा क्रांति के प्राथमिक लाभार्थियों की पहचान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले परिवार इसका सबसे बड़ा लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने समान चिकित्सा पहुंच के प्रति देश के दृष्टिकोण में एक मौलिक दार्शनिक बदलाव पर जोर दिया। श्री मोदी ने कहा, "भारत में स्वास्थ्य सेवाएं अब कोई विशेषाधिकार नहीं हैं, वे एक पूर्ण अधिकार बन रही हैं।"

चिकित्सा शिक्षा में ऐतिहासिक बाधाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने शैक्षणिक सीटों की भारी कमी को याद किया, जिसने पहले युवा छात्रों की आकांक्षाओं को तोड़ दिया था। उन्होंने घोषणा की कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, जिसमें स्नातकोत्तर (पीजी) सीटों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है और स्थानीय संस्थान में एमबीबीएस कॉलेज को हाल ही में बहुप्रतीक्षित मंजूरी मिली है। श्री मोदी ने कहा, "यह विशाल विस्तार प्रतिभाशाली युवाओं को शीर्ष संस्थानों में अध्ययन करने का अवसर देगा और देश को सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर प्रदान करेगा।"

शैक्षणिक, इंजीनियरिंग और चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों के शहर के अनूठे संकेंद्रण की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप्स और तकनीकी नवाचार के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में इसके तेजी से उभरने का अनुमान लगाया। इस शैक्षणिक यात्रा को तेज करने के लिए उन्होंने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में कुरुक्षेत्र बॉयज हॉस्टल के उद्घाटन और नए शोध विद्वान आवासों (रिसर्च स्कॉलर एकोमोडेशन) के शिलान्यास का जश्न मनाया। मोदी ने कहा, "हमारा यह प्रयास है कि हमारे युवाओं को उन्नत अनुसंधान के लिए सर्वोत्तम संभव प्रयोगशालाएं और बेहतर फैकल्टी मिले।"

?कड़े शैक्षणिक परिवेश को सीधे तकनीकी सफलताओं से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), सेमीकंडक्टर और डीप-टेक में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र (रिसर्च इकोसिस्टम) की पूर्ण आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्देश्य का नेतृत्व करने के लिए स्थानीय शिक्षकों और छात्रों में अटूट विश्वास व्यक्त किया। श्री मोदी ने कहा, "जब अनुसंधान का माहौल वास्तव में मजबूत होगा, तभी नवाचार (इनोवेशन) तेजी से बढ़ेगा।"

मजबूत बुनियादी ढांचे को आर्थिक समृद्धि के अंतिम ब्लूप्रिंट के रूप में परिभाषित करते हुए प्रधानमंत्री ने सरकार के नए समग्र विकासात्मक दृष्टिकोण की वकालत की। उन्होंने हवाई अड्डे की सड़क पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए आईटी सिटी से कुराली तक छह लेन के ग्रीनफील्ड राजमार्ग का उद्घाटन किया और क्षेत्रीय यात्रियों के लिए सुगम पारगमन का वादा करने वाले 'पीआर सेवन स्पर' (ढफ री५ील्ल रस्र४१) की आधारशिला रखी। श्री मोदी ने नोट किया, "इन सभी रणनीतिक विकास कार्यों से उद्योग और व्यवसाय को अविश्वसनीय नई गति मिलेगी।"

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के विषय का विस्तार करते हुए प्रधानमंत्री ने जालंधर में रेलवे परियोजनाओं के एक साथ शुभारंभ और जींद को सोनीपत से जोड़ने वाली देश की पहली स्वच्छ ईंधन हाइड्रोजन ट्रेन के ऐतिहासिक रोलआउट की घोषणा की। उन्होंने टिकाऊ और हरित परिवहन में इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय छलांग पर जनता को बधाई दी। श्री मोदी ने टिप्पणी की, "पूरी तरह से स्वच्छ ईंधन पर चलने वाली यह ट्रेन देश के लिए एक वास्तव में ऐतिहासिक शुरूआत है।"

एक 'विकसित भारत' के भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ अपने संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने भविष्य के लिए तैयार तकनीकों, पारगमन प्रणालियों (ट्रांजिट सिस्टम) और स्वास्थ्य सेवा संरचनाओं पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

उन्होंने पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के लोगों को आश्वासन दिया कि वर्तमान प्रशासन आने वाली पीढ़ियों की सेवा करने वाले स्थायी संस्थानों के निर्माण के लिए समर्पित है। श्री मोदी ने दृढ़ता से कहा, "हमें दृढ़ता से ऐसे साहसिक निर्णय लेने चाहिए जिनके अधिकतम लाभ हमारी आने वाली सभी पीढ़ियों तक सहजता से पहुंचें।"

विकास नगर में नए ट्यूबवेल बोरिंग कार्य का शुभारंभ, पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम

संवाददाता, चंडीगढ़।

वार्ड नं. 7 के विकास नगर क्षेत्र में शनिवार को क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के स्थायी समाधान हेतु नए ट्यूबवेल की बोरिंग कार्य का शुभारंभ पार्षद मनोज सोनकर द्वारा विधिवत किया गया।

इस अवसर पर पार्षद मनोज सोनकर ने कहा कि क्षेत्रवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले कुछ समय से पानी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए लगातार प्रशासन एवं संबंधित विभाग के साथ समन्वय कर इस कार्य को स्वीकृति दिलाई गई, जिसका शुभारंभ शनिवार को किया गया। ट्यूबवेल का कार्य पूर्ण होने के बाद विकास नगर के हजारों निवासियों को पेयजल समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह जी,मंडल अध्यक्ष बंटी सिंह जी, मंडल महामंत्री हरीश गुप्ता जी और अनिल सेन,

मंडल की टीम, अनिल सिसोदिया, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए पार्षद मनोज सोनकर के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वार्ड नं. 7 में विकास कार्य इसी गति से निरंतर जारी रहेंगे।

मावां धीयां सत्कार योजना: 36-59 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं को सबसे अधिक लाभ

चंडीगढ़। मान सरकार की मावां धीयां सत्कार योजना राज्य की पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। 25 जून तक रजिस्ट्रेशन पूरा करने वाली लगभग 33 लाख महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में सहायता राशि सीधे भेजी जा चुकी है, जबकि शेष पात्र महिलाओं को यह राशि 1 अगस्त को मिलेगी। अब तक लगभग 70 लाख महिलाओं ने इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करवाया है।
योजना के लाभार्थियों के प्रोफाइल से पता चलता है कि यह सहायता उन महिलाओं तक पहुंच रही है, जो जीवन के ऐसे चरण में हैं जब आर्थिक जिम्मेदारियां सबसे अधिक होती हैं। कुल लाभार्थियों में से 36-45 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी 25.2 प्रतिशत और 46-59 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी 25.4 प्रतिशत है। इस प्रकार, 50 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी 36 से 59 वर्ष की आयु के हैं। कई परिवारों के लिए यह सहायता शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा के घरेलू खर्चों का एक महत्वपूर्ण सहारा बन गई है।

जिला अदालत की नई पार्किंग से मिलेगी बड़ी राहत

हाईकोर्ट पार्किंग समस्या के समाधान का भी भरोसा: सीजेआई सूर्यकांत

संवाददाता, चंडीगढ़।

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जस्टिस सूर्यकांत ने चंडीगढ़ के सेक्टर 43 स्थित जिला अदालत परिसर में नई मल्टीलेवल पार्किंग के उद्घाटन के बाद कहा कि यह परियोजना लंबे समय से लंबित थी और इसके शुरू होने से वकीलों व आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। इसी क्रम में जिला अदालत की पार्किंग परियोजना पूरी हुई है, जिससे अदालत आने वाले लोगों की वर्षों पुरानी परेशानी कम होगी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की पार्किंग समस्या पर पूछे गए सवाल के जवाब में सीजेआई ने कहा कि यह समस्या भी गंभीर है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा की गई है और उन्हें पूरा विश्वास है कि अगली बार आने तक इसका कोई ठोस समाधान दिखाई देगा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अक्सर 5 करोड़ लंबित मामलों का आंकड़ा प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसका पूरा संदर्भ समझना जरूरी है।

उनके अनुसार लगभग 2 करोड़ मामले ऐसे हैं जो सामान्य न्यायिक प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं, जैसे नोटिस जारी होना या जवाब दाखिल होना। फिर भी उन्होंने माना कि लंबित मामलों का बोझ एक बड़ी चुनौती है और इसे कम करने के लिए तकनीक, गुणवत्तापूर्ण नियुक्तियां और बेहतर न्यायिक प्रबंधन पर लगातार काम किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका तकनीक के उपयोग के मामले में दुनिया की अग्रणी न्यायिक व्यवस्थाओं में शामिल है।

ई-फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई और ऑनलाइन केस ट्रैकिंग जैसी सुविधाओं ने गरीब, दूरदराज और सामाजिक रूप से वंचित लोगों के लिए न्याय तक पहुंच आसान बनाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया चंडीगढ़ का दौरा, लेकिन कांग्रेस के 17 सवालों में से एक का भी जवाब देने में रहे विफल

जनता के हाथ एक बार फिर लगी निराशा: एच.एस. लक्की

संवाददाता, चंडीगढ़।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को चंडीगढ़ दौरे के बाद, चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा कि शहर की जनता को इस दौरे से बड़ी उम्मीदें थीं। हालांकि, प्रधानमंत्री बिना किसी स्पष्ट घोषणा, समाधान या चंडीगढ़ को प्रभावित करने वाले लंबे समय से लंबित जन मुद्दों पर जवाब दिए बिना ही लौट गए। कांग्रेस ने इस दौरे को शहर की जनता के लिए निराशाजनक और शहर की गंभीर समस्याओं के समाधान का एक गंवाया हुआ अवसर करार दिया।

चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की के नेतृत्व में, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 17 प्लाजा पर 17 तख्तियां लेकर एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, जो उन 17 मुख्य सवालों का प्रतिनिधित्व कर रही थीं, जिन्हें कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के दौरे से पहले उठाया था। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री के पूरे दौरे और जन संबोधन के दौरान, इन 17 सवालों में से एक का भी जवाब नहीं दिया गया।

एच.एस. लक्की ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा विकास कार्यों का स्वागत किया है और जनता को लाभ पहुंचाने वाली हर परियोजना का समर्थन करती है। हालांकि, लोकतंत्र में केवल परियोजनाओं का उद्घाटन करना ही

काफी नहीं है। जनता की वास्तविक चिंताओं का जवाब देना और उनकी समस्याओं का ठोस समाधान पेश करना भी सरकार की उतनी ही जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की जनता को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, महंगाई से राहत, नगर निगम की बिगड़ती वित्तीय स्थिति, बढ़ते संपत्ति कर, 247 जल आपूर्ति परियोजना की विफलता, दादूमाजरा डंपिंग ग्राउंड का स्थायी समाधान, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत जवाबदेही, कॉलोनियों में रहने वाले निवासियों के अधिकार, चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के परिवारों के लिए वन-टाइम सेटलमेंट योजना, महिला सुरक्षा, नशीली दवाओं का बढ़ता खतरा, उद्योग और एमएसएमई (टरटए२) के लिए स्पष्ट नीति, व्यापारियों की लंबित मांगें, लाल डोरा और किसानों के मुद्दे, मेट्रो रेल परियोजना, और चंडीगढ़ के भविष्य के विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्ट जवाब देंगे और ठोस घोषणाएं करेंगे।

लक्की ने कहा कि प्रधानमंत्री कांग्रेस द्वारा उठाए गए 17 सवालों में से एक का भी जवाब देने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि भाजपा सरकार के पास चंडीगढ़ की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को हल करने की कोई ठोस योजना नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि शहर के लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नए रोजगार पहलों, नगर निगम के लिए वित्तीय सहायता, बढ़ते करों से राहत, ट्रैफिक जाम के स्थायी समाधान, मेट्रो रेल परियोजना के तेजी से कार्यान्वयन, दादूमाजरा डंपिंग ग्राउंड के वैज्ञानिक और स्थायी निपटान, कॉलोनी निवासियों के लिए अधिकार, चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के परिवारों के लिए राहत, और व्यापार व उद्योग को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा करेंगे।

गौतम का फिजिक्स में इंजिनियरिंग करने का सपना था। जब वह अपने इस सपने को पूरा करने के लिए निकले तो कभी नहीं सोचा था कि इसकी वजह से वह अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों से मिल सकेंगे और खुले विचारों वाला बन सकेंगे। उन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने के विकल्प को चुना, अलग-अलग परिस्थिति में अलग-अलग तरह के लोग क्या सोचते हैं यह सीखा, विविधता के अनुकूल खुद को ढाला और उन्होंने खुद को पूरी तौर पर बदल लिया।

उच्चतर शिक्षा का उभरता हुआ बड़ा केंद्र है हॉन्ग कॉन्ग

हॉन्ग कॉन्ग एक उभरता हुआ मेट्रोपोलिस है और उच्चतर शिक्षा का बड़ा केंद्र है। अमेरिका और इंग्लैंड की कई यूनिवर्सिटियों के मुकाबले यहां ट्युशन फीस कम हैं और वीजा पॉलिसी भी काफी आसान है। नीचे कुछ कारण दिए गए हैं जो हॉन्ग कॉन्ग को भारतीय छात्रों के लिए उच्चतर शिक्षा का बेहतर स्थान बनाते हैं। हॉन्ग कॉन्ग एक प्रतिष्ठित शिक्षा केंद्र है। क्यूएस सर्वश्रेष्ठ छात्र शहर रैंकिंग में इसको 14वां स्थान मिला है। इसने यूनिवर्सिटी रैंकिंग इंडिकेटर में खासतौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसका कारण है कि यहां अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त कई यूनिवर्सिटी हैं। एशिया की टॉप 10 यूनिवर्सिटी में से 4 और दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटी में से 5 यहां हैं। **हॉन्ग कॉन्ग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी** जैसे संस्थान उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मजबूत रिसर्च नेटवर्क मुहैया कराते हैं।

संस्कृति और व्यापार के मिश्रण का अनोखा गढ़

इस चमक-दमक भरे शहर में दुनिया भर के लोग रहते और काम करते हैं। इससे संस्कृति और धरोहर का अनोखा मिश्रण तैयार हुआ है जहां पूरब की संस्कृति का मिलन पश्चिम की संस्कृति से होता है। ऐसा कहीं और नहीं है। इसके अलावा आकर्षक टैक्स स्ट्रक्चर, आधुनिक आधारभूत ढांचे और चीन एवं अन्य एशियाई बाजार के करीब होने के कारण हॉन्ग कॉन्ग कॉर्पोरेशंस और स्टार्ट अप्स के लिए आकर्षक स्थान है। इसलिए हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने से मजबूत सामाजिक और पेशेवर संबंध बनता है जो अवसरों के इस गढ़ में किसी को करियर की शुरुआत करने में अहम साबित हो सकते हैं।

अगर आप विदेश से अंडरग्रैजुएट डिग्री करना चाहते हैं तो हॉन्ग कॉन्ग की पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी आपकी बेस्ट चॉइस हो सकती है। इसकी प्रफेशनल एजुकेशन में मजबूत पकड़ है और हॉन्ग कॉन्ग के बिजनस एवं इंडस्ट्रियल लीडर्स से पार्टनरशिप है। यह यूनिवर्सिटी देश के अंदर और बाहर अपने लिंक के लिए भी जानी जाती है जिससे आपको चीन की सीमा के बाहर जाकर भी रोजगार खोजने में आसानी होगी।

बाहरी ग्रैजुएट्स के लिए इमिग्रेशन

बाहरी ग्रैजुएट जिन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में फुल टाइम और स्थानीय तौर पर मान्यता प्राप्त प्रोग्राम में अंडरग्रैजुएट या हायर क्वॉलिफिकेशन हासिल किया है और रोजगार के लिए एचकेएसएआर में प्रवेश करना /रहना चाहते हैं, वे आईएएनजी के लिए प्रफेशनल के तौर पर आवेदन कर सकते हैं। उनको 12 महीने की अवधि तक रहने की अनुमति मिल जाएगी बशर्ते कि उन्होंने इमिग्रेशन से जुड़ीं आम जरूरतों को पूरा किया हो।

हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने के कुछ और फायदे निम्नलिखित हैं...

- मेरिट आधारित पॉलीयू एंट्री स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत 1,90,000 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर यानी करीब 17 लाख 36 हजार रुपये मिलता है। इसको शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर रिन्यू किया जा सकता है।
- पॉलीयू में बाहरी छात्रों के लिए दो सालों तक यूनिवर्सिटी की ओर से रहने का प्रबंध किया जाता है।
- इंटर्नशिप की गारंटी (स्थानीय या विदेशी)
- किसी विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस से स्टडी के अवसर की गारंटी

इंजीनियरिंग के बाद ये कोर्सेस भी कर सकते हैं आप

हर व्यक्ति के लिए करियर इंपोर्टेंट होता है। हर फील्ड में कई सारे ऑप्शन होते हैं। करियर ग्रोथ के लिए आप इंजीनियरिंग के बाद एमबीए के अलावा अगर कुछ करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे कोर्स जो आप सेलेक्ट कर सकती हैं और अपना करियर बना सकती हैं।

स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग

यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स होता है और यह 2 साल का कोर्स है। यह इंजीनियरिंग कोर्स आपको कंसीडरेशन और डिजाइन का एनालिसिस, स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी, जनरल सेफ्टी, कंस्ट्रक्शन रिलायबिलिटी, विद स्टैंडिंग सिस्मिक फोर्सेस और बिल्डिंग फेलियर को समझने और विश्लेषण करने में मदद करता है। कई टॉप कॉलेज इस कोर्स के लिए एंट्रेंस एग्जाम भी करवाते हैं।

रोबोटिक कोर्स

यह कोर्स आप भारत के अलावा किसी अन्य देश से भी कर सकती हैं। यह एक लॉन्गटर्म रिसर्च ओरिएंटेड कोर्स है और आप इस क्षेत्र से जुड़ने के बाद कुछ शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम जैसे क्षेत्र में शानदार करियर बना सकती हैं। इस कोर्स को कंप्लीट करने के लिए 4 साल का समय लगता है।

प्रोडक्ट डिजाइनर

प्रोडक्ट डिजाइनर वह होता है जो डिजाइनिंग पर वर्क करता है। जो लोग रोजमर्रा के उपयोग में आने वाले उत्पादों के डिजाइन करने और विकसित करने का काम करते हैं वह प्रोडक्ट डिजाइनर होता है। किसी भी प्रोडक्ट को ग्राहक की पसंद के अनुसार बेहतर बनाने के लिए प्रोडक्ट डिजाइनर सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं और किसी भी प्रकार के प्रोडक्ट्स को डिजाइन करना एक लर्निंग टास्क भी होता है। एक प्रोडक्ट डिजाइनर कोर्स करने में 1 से 4 साल भी लग सकते हैं। यह कोर्स करके आप मार्केटिंग कंपनी में भी जॉब कर सकती हैं।

युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है क्वांटम इंजीनियरिंग

आधुनिक समय में क्वांटम तकनीक उभरता हुआ क्षेत्र है। यह क्षेत्र युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिस वजह से युवाओं का भी इस क्षेत्र की ओर रुझान बढ़ रहा है।

इंजीनियरिंग में करियर को आगे बढ़ाने के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग भी कमाल की विधा है, यह आने वाले भविष्य की एक रोमांचक तकनीक है, और इस क्षेत्र में कौशल वाले पेशेवरों की भारी मांग है। अगर आप क्वांटम कंप्यूटिंग जॉब्स और करियर बनाने में रुचि रखते हैं, तो यहां आपके लिए कुछ दिलचस्प टिप्स दिए गए हैं - दरअसल, क्वांटम तकनीक वह शाखा है, जो खास तौर पर क्वांटम मैकेनिक्स का इस्तेमाल करके नई तकनीकों को विकसित करती है। यह क्वांटम बिट्स का (क्यूबिट्स) इस्तेमाल करके तेज, अद्भुत गणना और सुरक्षित संचार साधने की कोशिश करती है, जिससे कंप्यूटिंग और संचार क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए स्तर की संभावनाएं उत्पन्न हो रही हैं।

आधुनिक समय में क्वांटम तकनीक उभरता हुआ क्षेत्र माना जा रहा है। यह क्षेत्र युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिस वजह से युवाओं का भी इस क्षेत्र की ओर रुझान बढ़ रहा है।

यहां से करें क्वांटम तकनीक में कोर्स

अगर आप क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं, तो आप भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय समेत अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता को पूरा कर सकते हैं। कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों में क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जो छात्रों को क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में मार्गदर्शन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त बीएससी एवं एमएससी के छात्रों के लिए भी इस क्षेत्र में विकल्प मौजूद हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग के मूल सिद्धांतों को समझना, जैसे कि सुपरपोजिशन, उलझाव और क्वांटम सर्किट। ऑनलाइन कोर्स, किताबें और ब्लॉग पोस्ट आपके ज्ञान को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

क्वांटम तकनीक की स्पेस एवं डिफेंस में भी है संभावनाएं

स्पेस एवं डिफेंस के क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से क्वांटम तकनीक बेहद कारगर है। क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यताओं को पूरा करने के पश्चात आप नासा, डीआरडीओ और इसरो जैसे संस्थानों से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। इन संगठनों में तकनीकी और अनुसंधान से संबंधित जानकारी के साथ-साथ आपको क्वांटम तकनीक का भी ज्ञान होना जरूरी है। क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में जानकारी के साथ आपको स्पेस क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर मिल सकता है।

क्वांटम कंप्यूटिंग के कई एप्लिकेशन के बारे में जानें, जैसे कि मशीन लर्निंग, सिमुलेशन, क्रिप्टोग्राफी और सामग्री विज्ञान। अपने पसंद के क्षेत्र में गहन ज्ञान विकसित करना आपको अलग दिखाएगा।

क्वांटम तकनीक से विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा अवसर

आपने क्वांटम तकनीक से संबंधित सभी पात्रताओं को पूरा कर लिया है, तो आप निजी क्षेत्र में भी अवसरों को तलाश कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स में नौकरी, अनुसंधान और उत्पादों को विकसित करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। सुपर कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नैनो-तकनीकी जैसे क्षेत्रों में क्वांटम तकनीक का इस्तेमाल तेजी से हो रहा है, जिससे निजी कंपनियां संचार को सुरक्षित रखने के लिए नए उत्पादों और सेवाओं का निर्माण कर रही हैं। इसके अलावा युवाओं को कुशल बनाने के लिए भारत सरकार इस क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है।

क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता

- क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी में एमएससी
- क्वांटम कंप्यूटिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- क्वांटम इंजीनियरिंग में बीटेक एमटेक
- क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग में शॉर्ट-टर्म कोर्स
- क्वांटम तकनीक में डॉक्टरेट

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन में करियर ऑप्शन की कमी नहीं

आज के समय में अधिकतर यंगस्टर जर्नलिज्म की फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। जर्नलिज्म करने के बाद आप अलग-अलग मीडिया और कम्युनिकेशन इंडस्ट्री के साथ जुड़ सकते हैं और अपना एक बेहतरीन करियर देख सकते हैं।

आमतौर पर, लोग यह सोचते हैं कि जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप केवल एंकर या न्यूज रीडर ही बन सकते हैं। जबकि ऐसा नहीं है। यह एक बहुत बड़ा क्षेत्र है और इसमें आपके पास करियर ऑप्शन की कोई कमी नहीं नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद चुन सकते हैं-

बनें जर्नलिस्ट

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद बतौर जर्नलिस्ट अपना करियर देख सकते हैं। आप किसी न्यूज पोर्टल, अखबार या चैनल के साथ जुड़ सकते हैं और किसी एक फील्ड में काम कर सकते हैं। इस तरह आप पुख्ता जानकारी के साथ सच्ची घटनाओं को जनता के सामने पेश कर पाएंगे।

करें कंटेंट राइटिंग

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद कंटेंट राइटिंग करना यकीनन एक अच्छा विचार है। अगर आपमें लेखन का कौशल पहले से ही है तो जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स आपके इस स्किल्स को और भी अधिक निखारने में मदद करेगा। आप अलग-अलग मीडिया हाउस से लेकर डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियों, विज्ञापन एजेंसियों और अन्य प्रमुख संगठनों के साथ जुड़कर उनके लिए कंटेंट राइटिंग कर सकते हैं। आज के समय में कंपनियां अच्छे कंटेंट राइटर की तलाश में रहती हैं, जो उनके लिए इफेक्टिव कंटेंट लिख सकें और अधिक से अधिक बिजनेस ला सकें।

रेडियो जॉकी

अगर आपकी आवाज में दम है और आपको ऐसा लगता है कि लोग आपको सुनना पसंद करेंगे तो आप बतौर रेडियो जॉकी भी अपना करियर देख सकते हैं। जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप बतौर आरजे अपने करियर को शेप दे सकते हैं। एक सफल रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ अच्छी आवाज होना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उतने ही क्रिएटिव भी हों और लीक से हटकर कुछ नया करने की क्षमता रखते हों।

पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल्स

अगर आपने जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स किया है और आप न्यूज की दुनिया में कदम नहीं रखना चाहते हैं तो ऐसे में आप बतौर पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल्स भी अपना करियर देख सकते हैं। आप किसी व्यक्ति, आर्गेनाइजेशन या कंपनी के लिए पीआर का काम संभाल सकते हैं। दुनिया भर में कंपनियां हमेशा ऐसे कुशल लोगों की तलाश में रहती हैं जो सफलतापूर्वक उनके ब्रांड को रिप्रेजेंट कर सकें और एक बेहतरीन नेटवर्क और रिलेशन बना सकें। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतरीन होने चाहिए।

संभालें डिजिटल मीडिया

आज का जमाना ऑनलाइन का है। ऐसे में अगर आप चाहें तो टीवी या न्यूजपेपर के अलावा ऑनलाइन की दुनिया में भी अपने लिए अवसरों की तलाश कर सकते हैं। मसलन, आप सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रखें और उनके लिए कंटेंट लिखें। आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के लिए आर्टिकल से लेकर वीडियो आदि तैयार कर सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाई भारत की सैन्य ताकत, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बोले राजनाथ सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आधुनिक और सशक्त सैन्य क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान रक्षा क्षेत्र में किए गए व्यापक सुधारों और 'राष्ट्र सर्वोपरि' तथा 'सेना सर्वोपरि' की भावना के साथ उठाए गए कदमों ने देश की रक्षा तैयारियों को नई मजबूती प्रदान की है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय रक्षा बलों के अद्वितीय शौर्य का स्मरण दिलाने वाला बताया, जिसने आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकवाद के खिलाफ सरकार के स्पष्ट 'शून्य सहिष्णुता' के रुख को प्रतिबिंबित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता केवल एक बयान नहीं, बल्कि एक कार्य योजना है और दोहराया कि भारत में आतंकवाद के खिलाफ न केवल उसके दरवाजे पर बल्कि, उसके ठिकानों में प्रवेश करके प्रहार करने की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसी जटिल कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने में भारत के परिवर्तित रक्षा क्षेत्र ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इसे तकनीकी युद्ध का एक उत्कृष्ट उदाहरण और भारतीय उद्योगों में सरकार के भरोसे का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, ''इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया। यह पिछले 12 वर्षों में रखी गई नींव के कारण संभव हुआ है।''

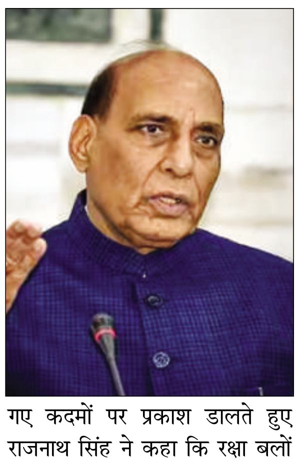

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा बलों द्वारा अब तक 509 मदों वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की जा चुकी हैं। इसके अलावा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा 5,012 मदों वाली पांच सूचियां भी जारी की गई हैं। उन्होंने कहा, ''एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र के निर्माण की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते हुए, इस लक्ष्य को और गति देने के लिए जल्द ही एक और सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची अधिसूचित की जाएगी।''

निरंतर आत्मनिर्भरता के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्राप्त सकारात्मक परिणामों को गिनाते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में वार्षिक रक्षा उत्पादन लगभग 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो 2014 के आसपास 40,000 करोड़ रुपए था। उन्होंने आगे कहा कि रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढ़कर 38,000 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, ''हमारा रक्षा उत्पादन लक्ष्य इस वर्ष 2 लाख करोड़ रुपए और 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार करना है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा निर्यात 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाए। प्रगति की वर्तमान गति को देखते हुए मुझे विश्वास है कि हम लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे।''

राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने पिछले 12 वर्षों में देश की सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए घरेलू उत्पादन की तुलना में आयात को प्राथमिकता देने की पुरानी सोच को बदल दिया है। उन्होंने कहा, "2014 से हमारा प्रयास रहा है कि उन्नत हथियारों और प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से रक्षा तैयारियों को मजबूत किया जाए, जिसमें आयात पर निर्भरता को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। हमने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश के भीतर एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया है।"

केदारनाथ मार्ग पर बढ़ा भूस्खलन का खतरा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय होने के साथ ही केदारनाथ धाम समेत पूरी केदार घाटी और रुद्रप्रयाग जिले के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। लगातार वर्षा के कारण केदारनाथ हाईवे और पैदल यात्रा मार्ग पर भूस्खलन तथा पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं। संभावित आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें संवेदनशील स्थानों पर तैनात कर दी गई हैं। वहीं जिला आपदा नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे हालात पर नजर बनाए हुए है। जिला मजिस्ट्रेट विशाल मिश्रा ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि मानसून के दौरान केदारनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी है, लेकिन मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। यदि मौसम विभाग की ओर से रेड अलर्ट जारी किया जाता है या किसी स्थान पर भूस्खलन का गंभीर खतरा उत्पन्न होता है तो यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यात्रा को कुछ समय के लिए रोका भी जा सकता है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद विवाद पर बांग्लादेश में भारी बवाल

बीजेपी एमएलए सौरभ के लिए मांगी मौत की सजा

एजेंसी, कोलकाता।

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के परिसर में मौजूद एक मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने के प्रस्ताव पर चल रहे विवाद के बीच, बांग्लादेश में पश्चिम बंगाल बीजेपी विधायक सौरव सिकदर के लिए मौत की सजा की मांग करने वाले एक विरोध प्रदर्शन ने मामले को एक नया मोड़ दे दिया है।

शुक्रवार को ढाका में बांग्लादेश की नेशनल मस्जिद, बैतुल मुकर्रम के बाहर प्रदर्शनकारियों का एक समूह इकट्ठा हुआ। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे जिनमें सिकदर को एयरपोर्ट परिसर से मस्जिद को हटाने की कोशिश के पीछे का खलनायक (विलेन) बताया गया था। खबरों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि दम दम नॉर्थ के विधायक को फांसी दी जाए। सिकदार, जिनके दम दम नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र में कोलकाता एयरपोर्ट आता है, मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने की पुरजोर वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क है कि मस्जिद की जगह सुरक्षा और कामकाज के लिहाज से चिंता का विषय है। उन्होंने पहले भी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सामने यह मुद्दा उठाया था और सुरक्षा में कथित खामियों तथा एयरपोर्ट के विस्तार की जरूरत का हवाला दिया था। विरोध-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए सिकदार ने कहा कि उन्हें पत्रकार दोस्तों से प्रदर्शन के वीडियो मिले हैं और दावा किया कि इस विरोध का मकसद उन्हें डराना-धमकाना था। अपने रुख का बचाव करते हुए विधायक ने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और यात्रियों की सुरक्षा, दोनों के लिए मस्जिद को दूसरी जगह ले जाना जरूरी है।

राष्ट्र निर्माण सिर्फ अधिकारों की मांग से नहीं, बल्कि कर्तव्यों के ईमानदारी से निर्वहन से संभव: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, बुलंदशहर।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बुलंदशहर के शिकारपुर स्थित रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देशवासियों को गुलामी की मानसिकता छोड़कर अनुशासन, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल अधिकारों की मांग से नहीं, बल्कि कर्तव्यों के ईमानदारी से निर्वहन से संभव है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सैनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में बालिकाओं के छात्रावास के निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुलंदशहर देश का ऐसा जनपद है, जिसने सबसे अधिक सैनिक और सैन्य अधिकारी देश को दिए हैं। ऐसे जनपद में सैनिक विद्यालय की स्थापना अत्यंत

महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यहां देशभर से आने वाले विद्यार्थी अनुशासन, संस्कार और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जो भविष्य में देश की ताकत बनेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत आजादी के अमृतकाल से आगे बढ़ते हुए स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की तैयारियों में जुटा है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पंच प्रण' को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन संकल्पों में सबसे महत्वपूर्ण गुलामी की मानसिकता का त्याग है। जब तक समाज इस मानसिकता से मुक्त नहीं होगा, तब तक न देश का समग्र विकास होगा और न ही समाज अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ पाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोग अधिकारों की बात तो करते हैं, लेकिन नागरिक कर्तव्यों पर उतना ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि केवल नारे लगाने से राष्ट्र मजबूत नहीं बनता। यदि कोई शिक्षक समय पर विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार देता है तो वही उसकी सच्ची राष्ट्रभक्ति है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक को अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैनिक के जीवन का मूल मंत्र 'नेशन फर्स्ट' होता है। सैनिक कभी भी देशहित के विपरीत कार्य नहीं करता। राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने की भावना ही उसे महान बनाती है। देश की सीमाएं सैनिकों के त्याग और बलिदान से सुरक्षित रहती हैं। यही भावना प्रत्येक नागरिक के जीवन में भी दिखाई देनी चाहिए।

मारुति डिजायर बनी नंबर-1 कार, पहली छमाही में टाटा पंच और नेक्सॉन को दी पटखनी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में पहली छमाही के बिक्री आंकड़े भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में इस वर्ष की पहली छमाही के दौरान वाहनों की बिक्री के बेहद दिलचस्प और रोमांचक आंकड़े सामने आए हैं। जनवरी से जून की अवधि में देश के कार खरीदारों के बीच कुछ चुनिंदा मॉडलों को लेकर जबरदस्त दीवानगी देखने को मिली। इस समयावधि में देश के मध्यम वर्ग की पसंदीदा मानी जाने वाली एक प्रमुख सेडान कार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिक्री के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए और शीर्ष स्थान पर अपना कब्जा जमा लिया। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी वाहन निमार्ता कंपनी ने बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखा है और उसके कई मॉडलों ने इस सूची में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

सरकार सच सुनना नहीं चाह रही, सच्चाई से भाग रही है: पप्पू यादव

एजेंसी, पटना।

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि यह सरकार सच्चाई से भाग रही है। यह सरकार सच सुनना नहीं चाह रही है। एक दिन यह सरकार ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगी। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह सरकार आज तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे नेताओं का सामना नहीं कर पाई। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि यह सरकार डरी और थकी हुई है। इस सरकार ने पूरे देश को थका दिया। इस देश के शासनकाल में लोकतंत्र खतरे में है। स्थिति ऐसी हो चुकी है कि गरीब और छात्र खतरे में आ चुके हैं। उनकी आवाज को दबाया जा रहा है, उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। ऐसी स्थिति में जेहन में यही सवाल आता है कि आखिर यह सिलसिला कब तक जारी रहेगा? मेरा कुल मिलाकर यही कहना है कि जो सरकार मंदिर और सनातन पर हमला करने पर उतारू हो जाए, उससे आप क्या ही उम्मीद कर सकते

हैं। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने इथेनॉल को लेकर भी अपनी बात रखी। उनके मुताबिक, इथेनॉल के संबंध में कैबिनेट ने फैसला लिया था। ऐसी स्थिति में यह साफ कहा जा सकता है कि यह फैसला सीधे तौर पर प्रधानमंत्री की ओर से लिया गया था। इथेनॉल का फैसला कैबिनेट की ओर से लिया गया है। जाहिर सी बात है कि यह फैसला किसी मंत्री की ओर से तो नहीं लिया गया है। मंदिर की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार के कंधों पर है। कुल मिलाकर स्थिति ऐसी बन चुकी है कि आम लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है, जिसे मैं समझता हूं कि किसी भा सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इसके अलावा निर्दलीय सांसद ने सोनम वांगचुक का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक बच्चों और छात्रों के लिए लड़ रहे हैं। चोर और भ्रष्टाचारियों को आप बर्खास्त नहीं कर रहे हैं। इसके विपरीत आप इस देश में मानवीय पहलुओं से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाने वाले लोगों पर हमला कर रहे हैं। क्या यह लोकतंत्र है, लिहाजा यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि इन लोगों को सच से डर लगता है। जिस तरह से देश की स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए सदन बिल्कुल भी नहीं चलने देना चाहिए।

वहीं, उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से किए जा रहे प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आज से नहीं, बल्कि लंबे समय से छात्रों से जुड़े मुद्दों का जिक्र कर रहे हैं। इसे लेकर वो लंबे समय से पैदल यात्रा भी कर रहे हैं। रोजगार की सभी संभावनाएं समाप्त हो चुकी हैं। ऐसी स्थिति हो चुकी है कि बच्चे परीक्षा तक नहीं दे पा रहे हैं। अगर किसी एग्जाम में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है, तो इससे एक या दो नहीं, बल्कि सात करोड़ बच्चे प्रभावित होते हैं। एक साल से सात करोड़ बच्चे प्रभावित होते हैं।

साथ ही, जब उनसे मृत्युंजय तिवारी के आरजेडी छोड़ने के संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि घर परिवार में आमतौर पर कुछ लोगों में किसी बात को लेकर मतभेद पैदा हो जाते हैं। रही बात मृत्युंजय तिवारी की तो वो बहुत ही अच्छे आदमी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने सत्ता में रहते हुए देश के विकास के लिए काम किया। देश की बुनियाद को मजबूत करने का काम किया। तमाम यूनिवर्सिटी सहित अन्य मजबूत संस्थानों को मजबूत करने का काम पूर्व की सरकारों ने किया। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि मौजूदा सरकार की ओर से बनाए गए तमाम पुल ध्वस्त हो रहे हैं। आज की स्थिति किसी से छुपी नहीं है।

सम्पादकीय

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह "वर्ल्ड लीक्स" ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं। हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी

प्रभात कुमार
सम्पादक

मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है। देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा।

ईरान का दावा, 'जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना, पहुंचाया भारी नुकसान'

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शनिवार को दावा किया कि उसने जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और केंद्रों पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी समाचार एजेंसी 'सेपाह' के अनुसार, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने जॉर्डन के अल-अजराक स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला किया। ईरान ने दावा किया कि इस कार्रवाई में लड़ाकू विमानों के शेल्टर और पार्किंग रैंप को निशाना बनाया गया और करीब दो लड़ाकू विमान और तीन अन्य अमेरिकी सैन्य विमान नष्ट हो गए, जबकि कुछ अन्य को भी भारी नुकसान पहुंचा। एक अन्य बयान में आईआरजीसी ने कहा कि शुक्रवार रात उसकी नौसेना ने कुवैत के बंदर अल-अहमदी स्थित अमेरिकी नौसेना

के ईंधन आपूर्ति डॉक और बहरीन के शेख ईसा एयर बेस पर मौजूद अमेरिकी सैन्य केंद्रों को निशाना बनाया। ईरान ने यह भी दावा किया कि उसने बहरीन में स्थित 'बटेल्को' नामक एक खुफिया डेटा सेंटर और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं संचार केंद्र को नष्ट कर दिया।

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और अमेरिका की ओर से इन दावों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अमेरिकी सेना ने 17 जुलाई की रात ईरान के खिलाफ लगातार सातवें दिन भी हमले किए। सेंटकॉम के अनुसार, इस अभियान में निगरानी केंद्रों, सैन्य लॉजिस्टिक्स ढांचे, भूमिगत हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया गया। कार्रवाई में लड़ाकू विमान, ड्रोन, युद्धपोत और अन्य सैन्य संसाधनों का इस्तेमाल किया गया।

ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, अमेरिकी हमलों में तीन लोगों की मौत हुई और आठ अन्य घायल हुए हैं।

उधर, क्षेत्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जॉर्डन की वायु रक्षा प्रणाली ने कई ईरानी मिसाइलों को मार गिराया, बहरीन ने भी कई हवाई हमलों को विफल करने का दावा किया, जबकि कुवैत ने बताया कि ईरानी हमले के बाद एक बिजली उत्पादन और वॉटर डिसेलिनेशन संयंत्र में आग लग गई।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, मास्को के पास वेयरहाउस पर हमले में 7 की मौत

मास्को। यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण-पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24 से 25 लोग घायल हुए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी। वहीं समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार एक अलग घटना में ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में आग लग गई। इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, मध्य पूर्व में सतर्क रहने की दी सलाह

एजेंसी, वाशिंगटन।

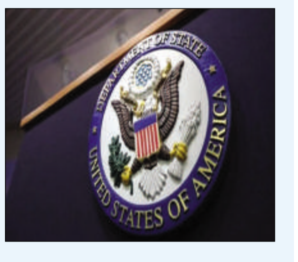

ईरान और क्षेत्रीय देशों के बीच जारी सैन्य तनाव के मद्देनजर अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने लोगों से मध्य पूर्व की यात्रा पर पुनर्विचार करने और विशेष रूप से कुछ संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की अपील की है। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि मध्य पूर्व के कई हिस्सों में सुरक्षा स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। क्षेत्र में मिसाइल हमले, ड्रोन हमले, आतंकवादी गतिविधियां जैसे खतरे बने हुए हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय घटनाक्रम पर लगातार नजर रखें, स्थानीय अधिकारियों के निदेशों का पालन करें और जरूरत पड़ने पर नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास के संपर्क में रहें।

अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व के विभिन्न हिस्सों में सैन्य हमलों का सिलसिला जारी है। दोनों पक्षों की कार्रवाई में सैन्य ठिकानों, ऊर्जा ढांचे और होर्मुज के आसपास रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं।

विभाग ने नागरिकों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करने, बड़े सार्वजनिक आयोजनों और विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने, यात्रा दस्तावेजों को अपडेट रखने और स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम (एसटीईपी) में पंजीकरण कराने की सलाह दी है।

इजरायल की आलोचना करने वालों को दबाने के लिए अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसों का इस्तेमाल: अराघची

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने निशाना साधते हुए दावा किया कि अमेरिकी टैक्सपेयर के पैसे का इस्तेमाल इजरायल की आलोचना करने वालों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है। टाइम मैगजीन की एक रिपोर्ट साझा कर विदेश मंत्री अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "अमेरिकी नागरिकों को विदेशी प्रभाव को लेकर चेतावनी दी जा रही है। लेकिन, उस व्यापक इजरायली अभियान का क्या, जिसके जरिए अमेरिकी सरकार को एक ऐसे युद्ध में धकेलने की कोशिश की जा रही है, जिसे जीता नहीं जा सकता और जिसे चुनना अमेरिका की अपनी प्राथमिकता भी नहीं थी?" उन्होंने कहा, "इससे भी गंभीर बात यह है कि इजरायल पर अमेरिकी करदाताओं के पैसों का इस्तेमाल कर अमेरिका के भीतर अपने आलोचकों की आवाज दबाने का आरोप लगाया जा रहा है। यह सब जल्द ही सबके सामने उजागर

हो जाएगा।''

बता दें, विदेश मंत्री अराघची ने टाइम मैगजीन के जिस लेख की तस्वीर साझा की, उसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के समर्थकों को टारगेट करने वाले इजरायली प्रभाव वाले ऑपरेशन के बारे में बताया गया है। मैगजीन में छपे लेख का शीर्षक था, "ट्रंप के पूर्व-कैंपेन मैनेजर एमएजीए बेस को टारगेट करके एक इजरायली प्रभाव वाला ऑपरेशन चला रहे हैं।" लेख में ब्रैड पारस्केल की तस्वीर भी लगी है, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के 2020 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान को मैनेज किया था।

भारत में नहीं चला एलन मस्क का जादू, एक साल में 500 कारें भी नहीं बेच पाई टेस्ला

एजेंसी, नई दिल्ली।

वैश्विक स्तर पर अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए मशहूर एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के लिए भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में शुरूआती एक साल का सफर बेहद निराशाजनक रहा है। पिछले वर्ष जुलाई में भारत में कदम रखने और सितंबर से अपनी लोकप्रिय गाड़ी की आपूर्ति शुरू करने के बाद से अब तक कंपनी देश में पांच सौ वाहनों का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी है। यह स्थिति दशार्ती है कि दुनिया भर में ब्रांड की भारी लोकप्रियता होने के बाद भी भारत के प्रीमियम और लक्जरी कार बाजार में अपनी जगह बनाना कितना जटिल काम है। भारतीय खरीदारों को आकर्षित करने में कंपनी की रणनीतियां पूरी तरह विफल साबित हो रही हैं।

वैश्विक ब्रांड के असफल होने के मुख्य कारण और चुनौतियां

बाजार विश्लेषकों और उद्योग जगत के जानकारों के अनुसार, टेस्ला की

इस विफलता के पीछे कई बड़े कारण हैं जो भारतीय बाजार की बनावट से जुड़े हैं। भारत में कंपनी की सबसे बड़ी समस्या ग्राहकों के बीच जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि उत्पाद की सीमित श्रेणी और उसकी बनावट है। वर्तमान में कंपनी के पास भारत में केवल एक ही मॉडल और एक ही तरह की बॉडी स्टाइल उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों के पास चुनने के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसके अलावा, विदेशी बाजार से पूरी तरह आयातित होने के कारण इन गाड़ियों पर भारी सीमा शुल्क और कर लगते हैं, जिससे इनकी कीमत बहुत अधिक हो जाती है।

कीमत के इस गणित को समझने में कंपनी से चूक हुई है। हालांकि कंपनी ने इस वर्ष अपनी गाड़ी की शुरूआती कीमत में लगभग नौ लाख रुपए की कटौती भी की, लेकिन इसके बावजूद यह भारतीय ग्राहकों के लिए उतनी किफायती साबित नहीं हुई। भारत जैसे बाजार में कोई भी ब्रांड केवल अपनी वैश्विक साख या प्रतिष्ठा के दम पर गाड़ियां नहीं बेच सकता। इसके लिए वाहनों का ग्राहकों की वास्तविक जरूरत के हिसाब से होना और उनका सही मूल्य पर उपलब्ध होना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

स्थापित नेटवर्क की कमी से गहराया संकट

टेस्ला के पिछड़ने का एक और बड़ा कारण देश में पहले से मौजूद मजबूत बुनियादी ढांचा और सर्विस नेटवर्क है। भारत के प्रीमियम श्रेणी के ग्राहक केवल गाड़ी की तकनीक ही नहीं देखते, बल्कि व्यापक सर्विस नेटवर्क और रखरखाव की सुगमता पर भी भरोसा करते हैं। इस नए ब्रांड के पास अभी ऐसा कोई बड़ा नेटवर्क नहीं है जो ग्राहकों को सुचारू सेवाएं दे सके। इसके साथ ही, बाजार में उपलब्ध अन्य विदेशी विकल्प अलग-अलग बजट और कीमतों वाले कई तरह के मॉडल बेच रहे हैं। भारतीय खरीदार उन कम कीमत वाली प्रीमियम गाड़ियों को अधिक पसंद कर रहे हैं जो उनकी आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ऐसे में भारी-भरकम कीमत, सीमित मॉडल और मजबूत सर्विस नेटवर्क की कमी के चलते यह वैश्विक ब्रांड भारतीय बाजार की कसौटी पर खरा नहीं उतर सका।

कम नींद लेने पर डायबिटीज मरीजों को हो सकती हैं ये दिक्कत

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको कम सेक कम 8 घंटे की नींद लेना चाहिए, नहीं तो आपकी सेहत को भारी नुकसान हो सकता है।

पर्याप्त नींद सेहत की कुंजी होती है। नींद खराब यानी आपकी सेहत खराब। नींद की कमी के कारण हम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। खासकर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको पर्याप्त नींद लेना काफी जरूरी होता है,नहीं तो इससे आपकी स्थिति और भी बदतर हो सकती है। आइए जानते हैं कम नींद लेने पर डायबिटीज के मरीजों को क्या-क्या दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज एक ऐसी समस्या है जिसका कोई इलाज नहीं है,यह एक बार हो जाता है तो यह आपके जीवन भर का साथी बन जाता है। इसमें पैंक्रियाज सही मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाते हैं या सेल्स इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं,इसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

हो सकती हैं ये दिक्कत

एक्सपर्ट के मुताबिक नींद की कमी आपके ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। जो लोग 6 घंटे से कम नींद लेते हैं उनके शरीर में हार्मोन की गड़बड़ी होने लगती है,इसका सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ सकता है। स्लीप साइकिल छोटी होने पर ब्लड वेसल को नुकसान पहुंच सकता है। देर से सोने से आपका इंसुलिन प्रतिरोध खराब हो सकता है। इसके कारण दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप प्री-डायबिटिक हैं और कम नींद लेते हैं तो आप डायबिटीज के शिकार हो सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल

- एक्सरसाइज करें
- 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें।
- सोने का सही पैटर्न सेट करें
- हेल्दी डाइट लें।
- तंबाकू और शराब से दूरी बनाएं।

साइलेंट डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इसके लक्षण लंबे समय तक नजर नहीं आते हैं जिसकी वजह से कई बार इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।

क्या होता है साइलेंट डिहाइड्रेशन समय रहते कैसे पहचानें

यूं तो डिहाइड्रेशन की समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है । हमारे शरीर को हेल्दी रहने और सही तरह से फंक्शन करने के लिए पानी की बहुत जरूरत होती है। शरीर से टॉक्सिन्स, यूरिन और पसीने के जरिए पानी बाहर निकलता है। जितनी मात्रा में पानी हमारे शरीर से बाहर जा रहा है उसके अनुपात में जब हम पानी नहीं पीते हैं तो डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर आने लगते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर चक्कर आना, त्वचा से जुड़ी समस्याएं, किडनी या लिवर का ठीक तरह से काम न करना और भी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर न आने पर भी आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं। इसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। इसके लक्षण बहुत बाद में सामने आते हैं जिसके चलते कई हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इस बारे में हमने पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट, डाइटीशियन, से बातचीत की। आइए जानते हैं साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है और कैसे इससे बचा जा सकता है।

साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है?

डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इस समस्या के कई लक्षण शरीर में दिखाई देते हैं जिनमें कमजोरी लगना, प्यास लगना, मुंह सूखना या फिर चक्कर आना शामिल हैं। अगर आपको इनमें से कोई लक्षण महसूस नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको डिहाइड्रेशन ही समस्या नहीं है। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर नहीं आते हैं, इसे साइलेंट डिहाइड्रेशन कहा जाता है। यह डिहाइड्रेशन से अधिक खतरनाक होता है क्योंकि इस स्थिति में आप पहचान ही नहीं पाते हैं कि आपका शरीर डिहाइड्रेशन से जूझ रहा है।

क्या होती है वजहें?

डिहाइड्रेशन के पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं। जिनमें डायरिया, अधिक पसीना आना, उल्टी होना या फिर पानी कम पीना शामिल हैं। डिहाइड्रेशन के दौरान हमारे शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे कि क्लोराइड, पोटेशियम और सोडियम की भी कमी हो जाती है। इस कमी को तुरंत पूरा किया जाना बहुत जरूरी है। ये सभी इलेक्ट्रोलाइट्स हमारी सेल्स के सही तरह से काम करने के लिए बहुत जरूरी है और अगर तुरंत इनकी कमी को पूरा नहीं किया गया तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

कितना पानी है सही?

एक्सपर्ट की मानें तो दिन भर में आपको 35ml/kgBW/day पानी पीना चाहिए। इसे आसान भाषा में समझते हैं। अगर आपका वजन 50 किलो है तो आपको एक दिन में लगभग 35x 50 = 1.5 लीटर पानी पीना चाहिए। इसके साथ ही गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से जो पानी निकलता है उसकी कमी भी पूरी होनी चाहिए।

क्या करें?

- हाइड्रेट रहने के लिए सिप करते हुए पानी पिएं। दिन भर में 1-2 गिलास पानी/शरबत/नींबू पानी चुटकी भर नमक डालकर पिएं।
- कई बार काम के बीच हम पानी पीना भूल जाते हैं या प्यास लगने पर भी इग्नोर कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी न करें।
- तरबूज, खरबूज, खीरा(खीरे के जूस के फायदे) और ककड़ी जिन चीजों में पानी की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें।
- एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में अपना वजन चेक करें। अगर आपके वजन में 1 किलो का अंतर है तो अपनी डाइट में 1.5 लीटर पानी को शामिल करें। हाइड्रेशन सिर्फ पानी से नहीं आता है बल्कि शरबत, शिकंजी और चिया सीड्स भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे माने जाते हैं।
- इसके साथ ही हाइड्रेटिंग फ्रूट्स जैसे तरबूज, ककड़ी, खीरा, कोकम शर्बत और बेल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे आपको हाइड्रेशन भी मिलता है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। ये सब शरीर के तापमान को कम करने में भी मदद करते हैं।
- अगर आप कॉफी, सोडा, कैफीन वाली ड्रिंक्स या एल्कोहल पीते हैं तो भी आप डिहाइड्रेटेड हो सकते हैं इसलिए एक कप कॉफी से कुछ देर बाद एक गिलास पानी पिएं।
- पानी की मात्रा भी शरीर में जरूरत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम लेवल कम हो सकता है जो जानलेवा भी हो सकता है।

डिहाइड्रेशन के कारण बिगड़ सकती है चेहरे की रंगत

अक्सर लोगों को लगता है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में ही होता है। लेकिन, ऐसा नहीं है। डिहाइड्रेशन का असर, हमारी स्किन पर भी होता है। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है।

शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए, पानी की सही मात्रा बहुत जरूरी है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसका असर बॉडी फंक्शन्स पर होता है। गर्मियों के मौसम में तापमान बढ़ने पर डिहाइड्रेशन के मामले ज्यादा सामने आने लगते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में होता है। हालांकि, गर्मियों में इसका खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि शरीर से जिस अनुपात में यूरिन और पसीने के जरिए, पानी बाहर जाता है, जब हम उसके अनुपात में पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है। डिहाइड्रेशन का असर शरीर के काम पर तो होता ही है। लेकिन, साथ ही इसके कुछ संकेत स्किन पर भी नजर आने लगते हैं। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है। डिहाइड्रेशन किस तरह हमारे चेहरे की रंगत को फीका कर सकता है, एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप कम मात्रा में पानी पीते हैं, तो इसका असर आपकी स्किन पर भी हो सकता है।

- स्किन को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका है और यही कारण है कि जब आप कम पानी पीती हैं, तो इससे स्किन की रंगत खोने लगती है।
- डिहाइड्रेशन के कारण, स्किन रूखी और बेजान लगने लगती है।
- जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है और इसके कारण, एक्ने होने लगते हैं।
- पानी की कमी के कारण, स्किन पर कालापन भी नजर आ सकता है।
- इसके कारण समय से पहले स्किन पर एजिंग के साइन्स दिखाई देते हैं और त्वचा की कसावट और लचीलापन कम होने लगता है।
- डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।
- आपकी स्किन किसी भी टाइप की हो, पानी की कमी होने पर, यह अपनी चमक खोने लगती है।
- इसके कारण आंखों के नीचे स्वेलिंग या काले घेरे भी हो सकते हैं।
- स्किन हेल्थ के लिए, 8 से 10 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए, सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इन्हें एक्सपर्ट के बताए तरीके से इस्तेमाल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

ऐसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट और जानें शरीर को कितने पानी की है जरूरत

शरीर में पानी की जरूरत कितनी होती है और डिहाइड्रेटेड होने पर क्या-क्या हो सकता है इसके बारे में तो आप जानते ही होंगे। दरअसल, शरीर की असली ताकत सभी विटामिन-मिनरल्स के साथ-साथ सही हाइड्रेशन पर भी निर्भर रहती है और अगर आपने इसपर ध्यान नहीं दिया तो ये भी हो सकता है कि आपके साथ कई तरह की समस्याएं हो जाएं जैसे स्किन प्रॉब्लम्स, हीट स्ट्रोक, किडनी या लिवर का ठीक तरह से फंक्शन न करना, वॉटर रिटेंशन की समस्या आदि। ऐसे में कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती कि कब वो डिहाइड्रेट हो रहे हैं और कैसे वो इसे सुधारें। सबसे पहले हमें ये जानना जरूरी है कि हम खुद से ही अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे करें। इसके लिए सेलेब न्यूट्रिशनिस्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये बताया है कि हम खुद ही स्किन के जरिए अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे कर सकते हैं। हमारी स्किन हमें बता सकती है कि शरीर को पानी की जरूरत है या फिर नहीं है।

कैसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट?

स्किन के डिहाइड्रेट होने से ये पता लगाया जा सकता है कि हमारा शरीर कितना डिहाइड्रेटेड है। पूजा मखीजा का कहना है कि अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं या फिर आप बहुत देर से कोई काम कर रहे हैं तो ये टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए। इसके लिए आप स्किन को बेस बना सकते हैं।

क्या करें-

उंगलियों के नकल्स (उंगलियों के जोड़ों की स्किन) को पिंच करके उठाएं।

अगर वो एकदम से नीचे चली जाती है तो शरीर डिहाइड्रेटेड नहीं है।

अगर ये नीचे जाने में थोड़ा समय लेती है तो आपका शरीर डिहाइड्रेटेड है।

ये टेस्ट आप नॉर्मल स्किन पर भी कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छे नतीजे नकल्स की स्किन पर ही होते हैं।

डिहाइड्रेशन को दूर करने के लिए सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप धीरे-धीरे सिप-सिप कर पानी पिएं। एकदम से प्यास लगने पर पूरा 1 ग्लास पानी पी जाना हमें अच्छा तो लगता है, लेकिन यकीन मानिए ये डिहाइड्रेशन पर कोई खास असर नहीं करता है। आपको इसके लिए ठीक तरह से पानी पीना होगा। अगर पूरे दिन में आप थोड़ी-थोड़ी देर में सिप-सिप कर पानी पीते हैं तो शरीर ज्यादा बेहतर तरीके से हाइड्रेट रह सकेगा।

किन तरीकों से कम किया जा सकता है डिहाइड्रेशन-

- अगर आपको लग रहा है कि शरीर डिहाइड्रेटेड है तो आप उसे ठीक करने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं-
- अगर शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है तो बल्ड शुगर लेवल भी कम होता है ऐसे में ग्लूकोज का पानी लेना सही हो सकता है।
- अगर आपको बार-बार वीकनेस फील हो रही है तो आप नारियल पानी पी सकते हैं।
- अगर कहीं ट्रैवल कर रहे हैं तो हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। आप खीरा आदि खाकर भी डिहाइड्रेशन को कम कर सकते हैं।
- अगर आपको लग रहा है कि गर्मी और धूप के कारण चक्कर आ रहा है तो छांव में जाकर शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और फिर थोड़ा सा पानी पिएं। एकदम से पानी पीना सही नहीं होगा।
- अगर डिहाइड्रेशन के कारण उल्टी-दस्त शुरू हो गए हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

जालंधर में पीएम का चुनावी संदेश

27 मिनट के भाषण में 8 मिनट आप पर बरसे, कांग्रेस को 21 व शिअद को 10 सेकंड घेरा

संवाददाता, जालंधर।

जालंधर में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 27 मिनट का भाषण विकास परियोजनाओं के लोकार्पण के साथ चुनावी संदेशों से भी भरपूर रहा।

पूरे संबोधन में उन्होंने सबसे ज्यादा समय आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोलने में लगाया। करीब आठ मिनट तक उन्होंने पंजाब सरकार की कार्यशैली, कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दों पर सवाल उठाए। इसके मुकाबले कांग्रेस पर उनका हमला महज 21 सेकंड और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर केवल 10 सेकंड का रहा।

प्रधानमंत्री ने आप सरकार को नशा तस्करी, गैंगस्टरवाद, रंगदारी, कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ते, महिलाओं से किए गए वादों, किसानों के मुद्दों और बढ़ते कर्ज को लेकर घेरा। उन्होंने कहा कि पंजाब की अपार क्षमता के बावजूद राज्य अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। साथ ही डबल इंजन सरकार को तेज विकास का आधार बताते हुए 5470 करोड़ रुपये की रेल और सड़क परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री के भाषण से स्पष्ट संकेत मिला कि भाजपा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को अपना मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानकर रणनीति बना रही है। कांग्रेस और अकाली दल पर सीमित टिप्पणी को भी इसी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

आप पर सबसे ज्यादा हमलावर रहे मोदी

प्रधानमंत्री ने नशा तस्करी, गैंगस्टरवाद, रंगदारी, बढ़ते कर्ज, लंबित महंगाई भत्ते, महिलाओं से किए गए वादों और किसानों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। करीब आठ मिनट तक चले इस हमले से भाजपा ने साफ संकेत दिया कि चुनाव में उसका मुख्य निशाना पंजाब की आप सरकार रहेगी।

कांग्रेस और अकाली दल पर नरम रुख

कांग्रेस पर प्रधानमंत्री ने करीब 21 सेकंड और शिरोमणि अकाली दल पर केवल 10 सेकंड टिप्पणी की। इससे राजनीतिक संकेत मिला कि भाजपा इस बार अपना चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ केंद्रित रखने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है।

राजा वड़िंग ने केंद्र पर लगाया पंजाब से भेदभाव का आरोप, कहा- चुनावी लाभ लेने के लिए करते हैं दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 12 वर्षों के कार्यकाल में पंजाब को कुछ नहीं दिया। उनके राज्य दौरे चुनावी लाभ हासिल करने तक सीमित रहे। वड़िंग ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही प्रधानमंत्री पुराने वादे दोहराने के लिए पंजाब पहुंच जाते हैं जबकि राज्य की प्रमुख समस्याएं आज भी जस की तस हैं।

केंद्र सरकार पर लगाया भेदभाव का आरोप

राजा वड़िंग ने कहा साल 2017 से केंद्र सरकार पंजाब के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राज्य को उसका अधिकार तभी मिलेगा जब यहां भाजपा की सरकार बनेगी। वड़िंग ने प्रधानमंत्री पर समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पंजाब की जनता ऐसे प्रयासों को कभी सफल नहीं होने देगी।

केंद्र सरकार किसानों से किए वादे करे पूरेः वड़िंग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब को आर्थिक और कृषि क्षेत्र में नए सिरे से खड़ा करने की जरूरत है। केंद्र सरकार किसानों से किए गए वादे पूरे करे। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी, उद्योगों के पुनर्जीवन, युवाओं के लिए रोजगार, सीमावर्ती जिलों के लिए विशेष पैकेज, किसानों को राहत और नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजाब ने देश के लिए बड़े बलिदान दिए हैं इसलिए राज्य को आश्वासन नहीं बल्कि ठोस फैसलों की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को जालंधर में 5,470 करोड़ रुपये की रेल और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। जनसभा में उन्होंने कांग्रेस, शिअद और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में वास्तविक बदलाव केवल भाजपा ही ला सकती है।

यूरोप व्यापार समझौते से पंजाब के किसानों और उद्योगों को होगा बड़ा फायदाः केवल सिंह ढिल्लों

जालंधर। पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी पंजाब खाली हाथ नहीं आए और हमेशा राज्य के लिए विकास से जुड़ी योजनाएं लेकर आए हैं। ढिल्लों ने प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी नेताओं की मौजूदगी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "पंजाब के लोगों की ओर से मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करता हूं।" उन्होंने बताया कि आज भी पीएम मोदी ने सैकड़ों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ढिल्लों ने यूरोपीय देशों के साथ व्यापार समझौते में गेहूं और डेयरी उत्पादों को शामिल न करके किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद किया। जब वे ये बातें कह रहे थे तो पंजाब के किसान समुदाय का प्रतीक हरे रंग की पगड़ी पहने पीएम मोदी मुस्कुरा रहे थे। ढिल्लों ने कहा कि यूरोपीय देशों के साथ समझौते से पंजाब को फायदा होगा, क्योंकि लुधियाना की होजरी और साइकिल, जालंधर के खेल के सामान और चमड़े के उत्पाद, बटाला की मशीनरी और पंजाब के बासमती चावल, फल और सब्जियां अब बिना किसी टैरिफ के 27 यूरोपीय देशों में जा सकेंगे।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर हाईकोर्ट सख्त, पंजाब सरकार को हिदायत

संवाददाता, चंडीगढ़।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने राज्य सरकार को बिगड़ी सफाई व्यवस्था बहाल करने का निर्देश दिया। सरकार को 20 जुलाई तक उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट पेश करनी होगी।

जस्टिस पंकज जैन ने प्रदीप कुमार, सनीत ग्रेवाल और जसविंदर सेखों की याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने कहा कि मानसून में कूड़ा जमा होने से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। जलभराव और सीवरेज जाम होने से मच्छरजनित तथा जलजनित बीमारियां फैल सकती हैं। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को हालात से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा।

राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि हड़ताल समाप्त कराने के प्रयास जारी हैं। सरकार ने विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय मांगा था। अदालत ने यह अनुरोध स्वीकार कर 20 जुलाई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

एस्मा लागू करने की संभावना

अदालत ने सरकार से कहा कि यदि आवश्यक हो तो एस्मा लागू करने पर विचार किया जा सकता है। आवश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू करने की संभावना तलाशने को कहा गया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार सफाई व्यवस्था बनाए रखने में विफल रही है। उन्होंने वैकल्पिक इंतजाम करने में भी सरकार की विफलता बताई। याचिका के साथ कूड़े के ढेर और बिगड़े हालात की तस्वीरें भी अदालत में पेश की गईं।

युवा नशे से नहीं, खेल और शिक्षा से जुड़ें, तभी बनेगा विकसित भारतः सीएम नायब सिंह सैनी

संवाददाता, करनाल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज, संस्कार और मानवता की रक्षा का अभियान है। उन्होंने कहा कि नशा अनेक परिवारों को बर्बाद कर रहा है और युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर धकेल रहा है। ऐसे में इसे जनभागीदारी के माध्यम से जन आंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री शनिवार को करनाल स्थित हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में आयोजित "एक पुलिस, एक संकल्प झ 'ड्रग्स मुक्त हरियाणा'" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। हरियाणा पुलिस के सभी थाना प्रभारियों (एसएचओ) के साथ आयोजित इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के संकल्प को और सुदृढ़ करना तथा इस दिशा में प्रभावी रणनीति तैयार करना था। सुपर-100 के 70 विद्यार्थियों को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सुपर-100 कार्यक्रम के 70 विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इनका मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि इनमें अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर एवं साधारण परिवारों से हैं। उनकी सफलता सरकार द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों का परिणाम है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग की त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन भी किया। पत्रिका में विदेशों से प्रत्यर्पित कर भारत लाए गए अपराधियों सहित विभाग की प्रमुख उपलब्धियों और महत्वपूर्ण अभियानों का उल्लेख किया गया है।

हर थाना सामाजिक परिवर्तन का केंद्र बने

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक थाना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का केंद्र बने। थाना प्रभारी अपने क्षेत्र के विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों और युवा मंडलों के साथ नियमित संवाद स्थापित करें तथा युवाओं को नशे और अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि आज नशे का कारोबार आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया और संगठित अपराध के माध्यम से युवाओं तक पहुंच रहा है। इसलिए पुलिस को भी आधुनिक तकनीक के अनुरूप सजग, सक्रिय और सक्षम बनना होगा। केवल तस्करों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना आवश्यक है। साथ ही पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता, संवेदनशीलता और पुनर्वास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। जब पुलिस, परिवार, शिक्षक, चिकित्सक, सामाजिक संगठन, मातृशक्ति और युवा शक्ति एकजुट होकर कार्य करेंगे, तभी नशा मुक्त हरियाणा का लक्ष्य साकार होगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा को खेलों का हब बनाना है, ताकि युवा नशे की गिरफ्त में आने के बजाय मैदान में उतरकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतें। स्वस्थ, अनुशासित और खेल संस्कृति से जुड़े युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बनेंगे।

हर स्तर पर बनेगी नशा मुक्ति टास्क फोर्स

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जिला, उपमंडल, ब्लॉक, गांव और वार्ड स्तर तक नशा मुक्ति टास्क फोर्स का गठन करेगी। इसमें जनप्रतिनिधियों, थाना प्रभारियों, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, युवा एवं महिला मंडलों, केमिस्ट एसोसिएशन तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को शामिल किया जाएगा, ताकि नशे के खिलाफ व्यापक सामाजिक अभियान चलाया जा सके। उन्होंने थाना प्रभारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक थाना प्रभारी यह संकल्प ले कि उसके क्षेत्र में नशे का कारोबार नहीं होने देगा, तो नशा माफिया के लिए हरियाणा में कोई स्थान नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है तथा उसका सम्मान हर परिस्थिति में सर्वोपरि रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं का स्वस्थ, जागरूक, नशामुक्त और खेलों से जुड़ा होना आवश्यक है। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों से आह्वान किया कि वे 'नशा मुक्त हरियाणा' अभियान को जन-जन का अभियान बनाकर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

पुलिस अधिकारियों की मांगों पर मुख्यमंत्री की घोषणाएं

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस अधिकारियों के साथ संवाद के दौरान विभाग से जुड़े विभिन्न सुझावों और मांगों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि तफ्तीश हेड के तहत उपलब्ध राशि बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये की जाएगी, ताकि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जांच अधिकारियों (आईओ) को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए एनडीपीएस मामलों में हरियाणा की अलग पुरस्कार नीति तैयार की जाएगी। इसके लिए अन्य राज्यों की पुरस्कार नीति का अध्ययन कर हरियाणा के अनुरूप नीति बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्व. गुरनाम सिंह गुर्जर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़। भाजपा जिला अंबाला कार्यकारिणी सदस्य, शहजादपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं ब्लॉक समिति शहजादपुर के पूर्व चेयरमैन गुरनाम सिंह गुर्जर का 17 जुलाई को हृदय गति रुकने से निधन हो गया ।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को जिला अंबाला के गांव धनाना स्थित स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर के निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर की पार्थिव देह पर शॉल ओढ़ाकर तथा बीजेपी का ध्वज अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर के परिवार के सदस्यों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

पंजाब कांग्रेस में मतभेद पर विधायक राणा गुरजीत सिंह बोले- 'सब ठीक, सही दिशा में बढ़ रही पार्टी'

संवाददाता, कपूरथला।

पंजाब कांग्रेस में आपसी कलह की चर्चाओं पर पार्टी के विधायक राणा गुरजीत सिंह ने जवाब दिया है। उन्होंने दावा किया कि सब कुछ ठीक है। कांग्रेस सही दिशा में आगे बढ़ रही है। विधायक राणा गुरजीत सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, "सब कुछ ठीक है। कांग्रेस सही दिशा में आगे बढ़ रही है। पार्टी आलाकमान इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर रहा है।" उन्होंने दावा किया कि पंजाब में कांग्रेस ही जीतेगी और सरकार बनाएगी, चाहे नेतृत्व किसी का भी हो। राणा गुरजीत सिंह ने हालिया बैठकों को लेकर कहा, "बातचीत से हमेशा सकारात्मक नतीजे निकलते हैं। मतभेदों से नकारात्मकता पैदा हो सकती है, लेकिन बातचीत हो रही है और चीजें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं।"

राणा गुरजीत सिंह ने यह दावा ऐसे समय किया, जब शुक्रवार को पंजाब के जालंधर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस की अंतर्कलह पर कटाक्ष किया। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा, "पंजाब में कांग्रेस में कुर्सी का किस्सा ही खत्म नहीं होता। ये इसलिए नहीं लड़ रहे कि पंजाब का हित कैसे होगा, इनकी लड़ाई इसलिए है कि इनकी जो कुर्सी है, वो किसके पास रहेगी।" गौरतलब है कि आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की राज्य इकाई में नेतृत्व को लेकर खींचतान की स्थिति है। कांग्रेस आलाकमान ने भरोसा बरकरार रखते हुए राजा अमरिंदर सिंह वड़िंग को फिर से कमान सौंपी है, लेकिन दावा है कि चरणजीत सिंह चन्नी और उनके गुट के नेता इस फैसले से खुश नहीं है।

दावा है कि 90 से अधिक नेताओं वाले प्रतिद्वंद्वी गुट ने राज्य इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को हटाने की मांग की थी। चुनाव से पहले पार्टी में गतिरोध को खत्म करने के उद्देश्य से बीते दिनों कांग्रेस के पंजाब प्रभावी भूपेश बघेल ने राज्य का दौरा किया था। उन्होंने नेताओं के बीच नाराजगी को दूर करने की कोशिश की। हालांकि, बैठकों का दौर असफल रहा।

जींद में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू, पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता, जींद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन ईंधन से संचालित ट्रेन चलाने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया।

उद्घाटन के पहले दिन ट्रेन में जींद से 270 यात्रियों ने यात्रा की, जिनमें लगभग 200 स्कूली विद्यार्थी शामिल थे। ट्रेन रवाना होते समय रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों ने जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाकर खुशी व्यक्त की। ट्रेन के संचालन की जिम्मेदारी जींद मुख्यालय में तैनात लोको पायलट राजेश कुमार और वरिष्ठ सहायक लोको पायलट गगनदीप सिंह को सौंपी गई थी। गगनदीप सिंह ने बताया कि उन्हें चेन्नई से आए विशेषज्ञों ने विशेष प्रशिक्षण दिया था।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज का दिन भारत के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है क्योंकि देश ने हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत अब उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्होंने हाइड्रोजन से संचालित ट्रेनों के लिए आवश्यक संपूर्ण तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर लिया है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस संयंत्र में पानी से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से हाइड्रोजन तैयार की जाती है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त होती है और किसी प्रकार का प्रदूषण या हानिकारक उत्सर्जन नहीं होता।

यह तकनीक पर्यावरण संरक्षण और हरित परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों का संचालन, रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास, रेल पटरियों का आधुनिकीकरण तथा अब हाइड्रोजन ट्रेन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का समावेश इस परिवर्तन की स्पष्ट झलक है।

सोनीपत से बिना यात्रियों के लौटी ट्रेन

उद्घाटन यात्रा के बाद ट्रेन सोनीपत से शाम को बिना यात्रियों के जींद लौटी। वापसी के दौरान कुछ यात्रियों के ट्रेन में चढ़ने पर उन्हें उतार दिया गया, क्योंकि अभी नियमित यात्री सेवा का शेड्यूल लागू नहीं हुआ है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ट्रेन का नियमित संचालन शुरू किया जाएगा।

जींद में और बढ़ेगा इंफ्रास्ट्रक्चर, आएंगी कंपनियां- पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि फिलहाल यह ट्रेन करीब 90 किलोमीटर के रूट पर चलेगी, लेकिन भविष्य में इसके विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। हम लगातार शोध करते रहेंगे, ताकि इसकी लागत कम हो और इसकी दक्षता बढ़ाई जा सके। दुनिया में अभी केवल तीन-चार देशों के पास ही हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने की क्षमता है और वहां भी यह तकनीक अभी शुरूआती दौर में है। ऐसे में भारत की हाइड्रोजन तकनीक और क्षमता पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन है। इसकी क्षमता 3200 हॉर्सपावर है। इसके साथ ही यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में से एक है। इस हाइड्रोजन ट्रेन को भारत के ही इंजीनियर्स ने डिजाइन किया है, भारत की ही कंपनी ने इसे बनाया है। अब जींद में और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा व कंपनियां आएंगी।

जींद का घी और घेवर तो नहीं बदला, लेकिन जींद के तेवर बदल गएः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, इतने वर्षों में जींद के घी और जींद के घेवर तो नहीं बदला, लेकिन जींद के तेवर बदल गए हैं। आज जींद भाजपा-एनडीएम के सुशासन मॉडल की तस्वीर बन रहा है।

हरियाणा की नई पटरी पर चल पड़ाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, बीते वर्षों में पूरा हरियाणा ही विकास की नई पटरी पर चल पड़ा है। आज का ये कार्यक्रम डबल इंजन की भाजपा सरकार के इसी मिशन को नई ऊर्जा से भर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में पूरा हरियाणा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, आज जींद और हरियाणा का नाम इतिहास पन्नों में दर्ज हो हो गया है। आज यहां देश को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिली है। पिछले कुछ वर्षों में, पूरा हरियाणा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत में पहली ट्रेन बॉम्बे से ठाणे के बीच चली थी। वैसे ही भविष्य में जब भी हाइड्रोजन ट्रेन का जिक्र आएगा, तो जींद के, सोनीपत का और हरियाणा का नाम आएगा ही आएगा।

बागवानों को सेब खरीद बकाया भुगतान के लिए 45 करोड़ रुपये जारीः सुक्खू

संवाददाता, शिमला।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बागवानी विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने मंडी मध्यस्थता योजना (एमआईएस) के अंतर्गत वर्ष 2022, 2023, 2024 और 2025 में खरीदे गए सेबों के बकाया भुगतान प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से सेब उत्पादकों के खातों में भेज दिए हैं। उन्होंने कहा कि एमआईएस के अंतर्गत 30 बैग तक सेब बेचने वाले उत्पादकों को भुगतान पहले ही किया जा चुका है जबकि 100 बैग या उससे अधिक सेब बेचने वाले उत्पादकों को भुगतान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि लंबित देनदारियों के भुगतान के लिए राज्य सरकार ने 45 करोड़ रुपये जारी किए हैं। वर्तमान सीजन में एमआईएस के तहत सेब खरीद की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने बागवानी मंडी मध्यस्थता योजना (एचएमआईएस) की वेबसाइट और मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ किया। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म सेब खरीद से लेकर उसके प्रसंस्करण तक की पूरी प्रक्रिया का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखेगा, जिससे पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुनिश्चित होगी।

सेब उत्पादकों को पोर्टल पर आधार संख्या, भूमि संबंधी विवरण और बैंक खाते की जानकारी देकर पंजीकरण करवाना होगा। इसके साथ ही वे अपनी उपज बेचने के लिए ऑनलाइन समय स्लॉट भी बुक कर सकेंगे, जिससे प्रतीक्षा समय कम होगा और उन्हें अधिक सुविधा मिलेगी। खरीद और भुगतान की स्थिति से संबंधित जानकारी उत्पादकों को उनके मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी।

मुख्यमंत्री ने खरीद सीजन के दौरान सभी संग्रहण केंद्रों (कलेक्शन सेंटर) पर उत्पादकों की सहायता के लिए पर्याप्त कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए। आवश्यकता पड़ने पर अन्य विभागों के कर्मचारियों की भी सेवाएं ली जा सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद सीजन शुरू होने से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि बागवानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसानों और बागवानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनके उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि सेब की पैकेजिंग के लिए यूनिवर्सल कार्टन प्रणाली लागू की गई है ताकि बागवानों को बिचौलियों के शोषण से बचाया जा सके।

हिमफेड के अध्यक्ष महेश्वर सिंह चौहान, बागवानी सचिव सी. पॉलरासु, निदेशक डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं नवाचार डॉ. निपुण जिंदल, एचपीएमसी के प्रबंध निदेशक डी.सी. राणा, बागवानी निदेशक सतीश कुमार तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

9 में से 8 जिला परिषदों पर भाजपा का परचम, जनता ने कांग्रेस सरकार को विदा करने का मन बना लिया है : बिंदल

अर्की (सोलन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने भारतीय जनता पार्टी के चल रहे प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत शिमला एवं मंडी संसदीय क्षेत्रों के कार्यकताओं के लिए अर्की में आयोजित विशेष प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की प्रशासनिक, आर्थिक और रोजगार व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने युवाओं को पहले वर्ष में एक लाख सरकारी नौकरियां, पांच लाख रोजगार और स्थायी सरकारी नौकरियों की बड़ी-बड़ी गारंटियां दी थीं, लेकिन सरकार बनने के ढाई वर्ष बाद भी इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। डॉ. बिंदल ने कहा कि रोजगार देने के बजाय कांग्रेस सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार का माध्यम बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न विभागों में भर्ती नियमों को दरकिनार कर पिछले दरवाजे से मनमाने तरीके से नियुक्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं कांग्रेस सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री सार्वजनिक मंच से यह स्वीकार कर चुके हैं कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में 700 से अधिक लोगों को नौकरियां दिलवाई हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार भर्ती नियमों के तहत ऐसी कोई नियमित भर्ती नहीं हुई। इससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश में योग्यता और पारदर्शिता की जगह सिफारिश, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार ने ले ली है। उन्होंने कहा कि आज हजारों शिक्षित युवा पुस्तकालयों में दिन-रात मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और ईमानदारी से सरकारी नौकरी पाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार उनकी मेहनत और भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। रोजगार सृजन के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई और न ही ऐसा कोई बड़ा कदम उठाया गया जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल सकें। डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है, जिसका प्रमाण हाल ही में संपन्न हुए जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 9 जिलों में हुए जिला परिषद चुनावों में 8 जिलों में भाजपा समर्थित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

क्या रोहित बीसीसीआई के फैसले से संतुष्ट नहीं?

एजेंसी, कार्डिफ।

भारतीय क्रिकेट जगत में इस समय स्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड के खिलाफ चल रही मौजूदा सीरीज के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और चयन समिति अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए नई रणनीति तैयार कर रही है। 2027 के अंत में होने वाले इस विश्व कप तक रोहित की उम्र 40 वर्ष से अधिक हो जाएगी। उनका हालिया फॉर्म ठीक नहीं रहा है और फॉर्म में चल रहे युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

लॉर्ड्स में आखिरी बार खेलते दिखेंगे रोहित?

इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है, जिसका मतलब है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे।

बीसीसीआई के फैसले से खुश नहीं थे रोहित

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई अधिकारियों से मुलाकात की थी। दावा किया गया है कि बोर्ड के फैसले से पूर्व भारतीय कप्तान खुश नहीं थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चयन समिति ने रोहित को साफ तौर पर बता दिया है कि वे इस वनडे सीरीज के बाद अब उनसे आगे का सोच रहे हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले हफ्ते कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी में रोहित शर्मा से इस विषय पर बातचीत की थी। चयन समिति का पूरा ध्यान 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यशस्वी जायसवाल जैसे युवाओं को अधिक से अधिक मौका देने पर है। बीसीसीआई सूत्र ने कहा, चयनकर्ताओं ने यह तय कर लिया है कि इसके बाद वे वनडे में रोहित शर्मा का चयन नहीं करेंगे। यदि वे सम्मानपूर्वक संन्यास लेना चाहते हैं या तुरंत संन्यास न लेने का फैसला करते हैं, तो यह पूरी तरह से उनका व्यक्तिगत निर्णय होगा। हालांकि, संदेश स्पष्ट है कि रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले मैच के बाद चयनकर्ता उन्हें वनडे टीम में नहीं चुनेंगे।

शानदार रहा है रोहित का सफर

इससे पहले, सात मई 2025 को रोहित शर्मा ने भारत के इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, जिसके बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया था। रोहित भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे विस्फोटक और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने अब तक 286 वनडे मैच खेले हैं और कुल 11731 रन बनाए हैं। रोहित ने 56 वनडे मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और बेहतरीन नेतृत्व में भारत 2023 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचा था। इसके अलावा, उन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी जिताया था।

रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

- रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है।
- पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं।
- इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है।
- कार्डिफ वनडे में भी वह लय के लिए संघर्ष करते दिखे और 47 गेंदों में 26 रन बनाकर विल जैक्स का शिकार बने।

फीफा वर्ल्ड कप: फाइनल से पहले स्पेन के लिए चिंता का विषय बनी यामल-पोरो की फिटनेस

एजेंसी, न्यू जर्सी।

स्पेन ने अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, स्पेन के लिए खिताबी मुकाबले से पहले लैमिन यामल और पेड्रो पोरो की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है।

न्यू जर्सी में हुए पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान युवा स्टार लैमिन यामल और डिफेंडर पेड्रो पोरो ने बाकी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास नहीं किया। दोनों ने मैदान के किनारे हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग की। लैमिन यामल की बाईं जांघ पर पट्टी बंधी हुई थी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था। हालांकि, उनकी चोट कितनी गंभीर है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। 'डायरियो एएस' की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें एहतियात के तौर पर मुख्य ग्रुप से अलग रखा गया ताकि फाइनल से पहले उनकी फिटनेस पर कोई असर न पड़े। यामल इस वर्ल्ड कप में अब तक 496 मिनट तक मैदान पर सक्रिय रहे हैं।

केप वर्डे के खिलाफ एक मैच को छोड़कर उन्होंने हर मुकाबले में शुरूआती एकादश में जगह बनाई है। हालांकि, चोट से वापसी के बाद वे अभी तक अपनी पूरी लय में नहीं दिखे हैं, लेकिन सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उनकी तेज रफ्तार और शानदार मूवमेंट की वजह से स्पेन को पेनल्टी मिली, जिससे टीम ने बढ़त हासिल की।

दूसरी ओर, पेड्रो पोरो ने स्पेन के सात में से पांच मैचों में शुरूआत की है और कुल 444 मिनट मैदान पर बिताए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 और फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में गोल भी किया था। सेमीफाइनल के बाद स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने बताया कि पोरो की मांसपेशियों में हल्की जकड़न है और फाइनल से पहले उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी।

कोच ने यामल की स्थिति पर भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल टीम से मिली जानकारी के अनुसार यामल की कोई गंभीर समस्या नहीं है और उनकी हालत ठीक है। रविवार को होने वाला यह मुकाबला स्पेन के लिए बेहद खास होगा। साल 2010 में पहली बार विश्व चैंपियन बनने के बाद यह टीम का पहला वर्ल्ड कप फाइनल है। वहीं, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल चौथी बार विश्व कप जीतने के इरादे से मैदान से उतरेगा। अर्जेंटीना इससे पहले 1978, 1986 और 2022 में विश्व चैंपियन बन चुका है।

मनोरंजन

सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं; कृति सेनन

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया। कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

बोलीं- 'सेफ नहीं चलना'

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

'हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में क्या फर्क?

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

बोलीं- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

'बॉलीवुड में असुरक्षा की भावना'

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं।

मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देतीं और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

प्रियंका ने पति निक से 10 साल बड़े होने पर कही बड़ी बात, बोलीं- 'प्यार में उम्र का फासला मायने...'

बॉलीवुड और हॉलीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनस के साथ उम्र के अंतर पर खुलकर बात की है। एक हालिया पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि उनके रिश्ते में 10 साल का यह अंतर कभी भी कोई परेशानी नहीं बना।

फैंस को दी सलाह

आईएएनएस के अनुसार, पॉडकास्ट के दौरान जब एक महिला ने प्रियंका से पूछा कि वह खुद से 6 साल छोटे लड़के को डेट कर रही हैं, तो वह इस रिश्ते में अपना आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं? इस पर प्रियंका ने जवाब देते हुए कहा कि जब आपको कोई ऐसा जीवनसाथी मिल जाता है, जो आपकी हर उम्मीद पर खरा उतरे, तो उम्र का अंतर कोई चुनौती नहीं रह जाता।

प्रियंका ने कहा कि जिंदगी के बड़े फैसले लेते समय मन में ऐसे सवाल आना स्वाभाविक है। निक जोनस ने भी इस पर कहा कि उनके लिए प्रियंका से 10 साल छोटा होना कभी कोई बड़ी बात नहीं रही।

प्रियंका और निक की लव स्टोरी

प्रियंका और निक की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। कुछ समय डेट करने के बाद दिसंबर 2018 में जोधपुर में उन्होंने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों से धूमधाम से शादी की। जनवरी 2022 में सरोगेसी की मदद से उनके घर बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है।

'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक टाइम-ट्रैवल एडवेंचर फिल्म बताई जा रही है।

किम ने हैमिल्टन संग रिश्ते पर लगाई मुहर

मशहूर हॉलीवुड सेलिब्रिटी किम कार्दशियन और फॉर्मूला वन चैंपियन लुईस हैमिल्टन के रिलेशनशिप में होने की अटकलें काफी समय से लग रही थीं। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता था। सोमवार देर रात किम कार्दशियन ने इंस्टाग्राम पर फैमिली, फ्रेंड्स के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें लुईस हैमिल्टन भी नजर आए। इन तस्वीरों को देखकर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं।

रोमांटिक अंदाज में दिए पोज

किम कार्दशियन ने लुईस के साथ जो तस्वीर पोस्ट की है, उसमें इनकी नजदीकियां साफ नजर आ रही हैं। दोनों किसी कपल की तरह फोटो क्लिक करवा रहे हैं। साथ में किम का छोटा बेटा भी नजर आ रहा है। आगे तस्वीरों में किम के दोस्त हैं, जो उनके साथ गेट-टुगेदर को एंज्वॉय कर रहे हैं।

फैंस ने भी दिए किम की पोस्ट पर रिएक्शन

किम कार्दशियन के फैंस ने जब लुईस के साथ उनकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर देखी तो जमकर रिएक्शन दिए। कई फैंस ने क्यूट फैमिली जैसे कमेंट लिखे। वहीं कुछ फैंस ने हार्ट, फायर इमोजी इस जोड़ी के लिए पोस्ट किए।

कब से लगी थीं किम और लुईस के रिश्ते की अटकलें?

फरवरी 2015 में सिंगर निकोल शर्जिंगर से लुईस का रिश्ता खत्म हुआ था। फिर 2021 में किम कार्दशियन का भी सिंगर रैपर कान्ये वेस्ट से तलाक हुआ। लुईस और किम के बीच दोस्ती काफी समय से थी लेकिन इनके रिश्ते को लेकर अटकलें साल 2026 में लगीं, जब किम और लुईस को नए साल का जश्न साथ मनाते हुए देखा गया।

फिर दोनों को इंग्लैंड और पेरिस में भी साथ देखा गया। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने पेरिस में एक रोमांटिक वेकेशन गुजारा था। दोनों एक ही होटल में अलग-अलग वक्त पर आए लेकिन अंदर साथ ही गए। अब किम ने खुद ही लुईस के साथ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी हैं तो इनके रिश्ते पर मुहर लग ही गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक-आशीष श्रीवास्तव द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर सी-5 इंसीट्यूशनेल एरिया, सेक्टर-6, पंचकूला-134109 हरियाणा से मुद्रित करवाकर, 90/1 खुदा अलीशेर चंडीगढ़ से प्रकाशित। संपादक-प्रभात कुमार।
समाचार चयन के लिए पी.आर.बी एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का निपटारा केवल चंडीगढ़ (हरियाणा) के न्यायिक क्षेत्र में ही होगा। RNI No-CHAHIN/2022/82911 (मोबाइल नं.-7986125820 E-mail:badaltealfaaz@gmail.com)